मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 319
मंगलवार, 09 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

NEET-UG पेपर लीक पर INDIA Bloc का बड़ा एक्शन, CJI को लिखेंगे खत, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली, 08 जून। विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों की एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए खर्गे ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश को जल्द से जल्द पत्र भेजने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि एसआईआर, मतों की लूट और चुनाव में धांधली को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी है। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंप दिया जाएगा। खरगे ने यह भी कहा कि इंडिया ब्लॉक ने सर्वसम्मति से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने का संकल्प लिया है, क्योंकि उन पर नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को प्रभावित करने वाली कथित अनियमितताएं हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी है क्योंकि उन्होंने नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खर्गे ने युवा, संस्थागत अखंडता और एक सतत संयुक्त विपक्षी मोर्चे पर केंद्रित गठबंधन की तत्काल कार्य योजना का विस्तृत विवरण दिया। खरगे ने आगे कहा कि गठबंधन के सहयोगी अब राष्ट्रीय राजनीति की समीक्षा और रणनीति समन्वय के लिए हर दो महीने में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेताओं की अगली औपचारिक बैठक 8 अगस्त को तय की गई है और भविष्य की तिथियों का निर्णय समय-समय पर लिया जाएगा और सूचित किया जाएगा।

संसद के मानसून सत्र से पहले गठबंधन अपनी विधायी रणनीति को भी मजबूत कर रहा है। गठबंधन के सभी सहयोगियों की रणनीति बैठकें विपक्ष के नेता (एलओपी) के कार्यालय में नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी ताकि सत्ता पक्ष के खिलाफ दैनिक आधार पर एक एकजुट मोर्चा सुनिश्चित किया जा सके।

केंद्र सरकार को मौजूदा नाजुक आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों के मुद्दे और अन्य जन-केंद्रित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तुरंत एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। यह सहमति बनी कि सभी दल हर दो महीने में मिलेंगे... मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के नेता के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह की बैठकों के साथ संसद समन्वय जारी रहेगा।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में बड़ा हादसा, 9 मजदूरों की मौत

विशाखापत्तनम, 08 जून। आंध्र प्रदेश के राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल), जिसे विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के नाम से भी जाना जाता है, में भारी मात्रा में पिघला हुआ स्टील गिरने से कई लोगों के मारे जाने की आशंका है और कई अन्य घायल हो गए हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक स्थानीय ट्रेड यूनियन नेता ने एचटी को बताया कि यह घटना शाम करीब 4:30 बजे स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस) सेक्शन के अंतर्गत प्लांट के कंटीन्यूअस कास्टिंग डिपार्टमेंट (सीसीडी) में हुई और नौ लोगों के मारे जाने की आशंका है। नाम न छापने की शर्त पर एक ट्रेड यूनियन नेता ने बताया, ह्लपिघला हुआ स्टील ले जा रही एक करछुल अचानक खराब हो गई, जिससे बड़ी मात्रा में पिघला हुआ स्टील छलक गया। भीषण गर्मी और उसके परिणामस्वरूप लगी आग ने आसपास के श्रमिकों को घेर लिया, जिससे कई लोग हताहत हुए।

एक अन्य जानकारी के अनुसार,

यह घटना एनटीसी-3 हीट एफ से संबंधित कार्यों के दौरान हुई। एक अन्य ट्रेड यूनियन नेता ने बताया, पिघला हुआ स्टील उठाते समय बड़ी मात्रा में रिसाव हो गया, जिससे भीषण आग लग गई। घटना के तुरंत बाद आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और अग्निशमन कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव एवं अग्निशमन अभियान शुरू किया। घायल श्रमिकों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

ट्रेड यूनियन नेताओं ने नौ शव बरामद करने का दावा किया है, लेकिन आरआईएनएल प्रबंधन ने अभी तक मृतकों की संख्या की पुष्टि करते हुए कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

अधिकारियों द्वारा दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने और यह निर्धारित करने के लिए विस्तृत जांच किए जाने की उम्मीद है कि क्या सुरक्षा में किसी चूक ने इस त्रासदी में योगदान दिया। इस घटना से कर्मचारियों और उनके परिवारों में चिंता का माहौल है, और इस्पात संयंत्र में कार्यस्थल सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। बचाव और आकलन अभियान जारी रहने के कारण आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ह्लउन्होंने इस्पात संयंत्र के अधिकारियों से बात की और घटना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिला अधिकारियों को घटनास्थल पर तुरंत पहुंचने और बचाव अभियान शुरू करने के निर्देश दिए।

किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी सरकार : मुख्यमंत्री

लखनऊ, 08 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह जनता दर्शन किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए लोगों से उन्होंने व्यक्तिगत मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। एक बच्ची ने मुख्यमंत्री से उच्च शिक्षा के लिए मदद की गुहार लगाई, जिस पर उन्होंने लखनऊ के किसी संस्थान में प्रवेश दिलाने का आदेश दिया। पुलिस की अनसुनी व अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर सख्त सीएम योगी ने अफसरों को मॉनीटरिंग कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आदेश दिया। लखनऊ की एक बच्ची अपनी बूढ़ी मां के साथ पहुंची। उसने बताया कि इंटरमीडिएट अच्छे अंक से उत्तीर्ण किया है। वह आगे बीटेक करना चाहती है, लेकिन धन के अभाव में दिक्कत हो रही है। सीएम

योगी ने उसकी मार्कशीट देखी, फिर कहा कि पढ़ाई पर ध्यान दो। आपका प्रवेश किसी अच्छे संस्थान में कराया जाएगा। सरकार किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी। सकारात्मक संदेश पाकर प्रफुल्लित बेटी व मां ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों ने मुख्यमंत्री से पुलिस की हीलाहवाली व अवैध कब्जे को लेकर उचित कार्रवाई न होने की शिकायत करते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने हर प्रकरण को सुना, फिर शासन के अफसरों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि इन मामलों की मॉनीटरिंग करिए। पीड़ित को न्याय और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराइए। सीएम ने पीड़ितों को जल्द ही समाधान के लिए आश्वस्त किया।

कुछ फरियादी ऐसे भी आए, जो सीधे जनता दर्शन में पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि आपने जनपद के किस अधिकारी के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर कुछ फरियादियों ने कहा कि हम सीधे यहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गर्मी बेतहाशा पड़ रही है। आप सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और सबसे पहले अपनी शिकायतें जनपद, मंडल स्तर के अधिकारियों से करें। कई समस्याओं का समाधान वहीं से हो जाएगा।

फिलीपींस में विनाशकारी भूकंप; 7.8 की तीव्रता ने मचाई भारी तबाही, 35 की मौत और सैकड़ों घायल

मनीला, 08 जून। दक्षिणी फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप पर सोमवार सुबह आए 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 134 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। मलबे में दबे एक दर्जन से अधिक लोग अभी भी लापता हैं, जिससे मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है।

भूकंप का केंद्र जनरल सैंटोस शहर के पास समुद्र में था, जिसके झटकों से शहर की प्रमुख बुनियादी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक शॉपिंग सेंटर और उसमें स्थित जोलीबी रेस्टोरेंट को ताश के पत्तों की तरह ढहते हुए देखा

गया। इसके अलावा, एक स्थानीय स्कूल की इमारत भी पूरी तरह जमींदोज हो गई। चश्मदीदों के अनुसार, जब स्कूल की इमारत गिरी, तो वहां मौजूद बच्चे डर के मारे चिल्ला रहे थे।

भूकंप के बाद तटीय इलाकों में सुनामी का कहर भी देखने को मिला है। कम से कम एक तटीय गांव में सुनामी से नुकसान की खबर है। इंडोनेशिया और पलाऊ में भी लहरें दर्ज की गईं, जबकि दक्षिणी जापान तक इसका असर महसूस किया गया। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी क्षेत्र में 0.75 मीटर ऊंची लहरें उठने के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों और पहाड़ियों की ओर जाने को कहा गया है। ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया में भी शुरूआती तौर पर सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी।

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने मिंडानाओ में तत्काल आपदा प्रतिक्रिया के आदेश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सरकार पूरी तरह सक्रिय है और मिंडानाओ के लोगों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। सेना की आपदा राहत इकाइयों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात कर दिया गया है। जनरल सैंटोस हवाई अड्डे को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

यह भूकंप उस समय आया जब लंबे अवकाश के बाद स्कूल दोबारा खुल रहे थे। सरांगनी के अलाबेल कस्बे में पुलिस प्रमुख बेंजी एंकेटा ने बताया कि भूकंप उस समय आया जब पुलिस की 'फ्लैग होस्टिंग' (ध्वजारोहण) चल रही थी, जिससे घबराहट में कुछ लोग बेहोश भी हो गए। उन्होंने इसे अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप बताया है।

बता दें कि फिलीपींस प्रशांत महासागर के ₹रिंग ऑफ फायर₹ पर स्थित है, जो अत्यधिक भूकंपीय गतिविधि वाला क्षेत्र है। इससे पहले आठ महीने पहले सेबू द्वीप पर आए 6.9 तीव्रता के भूकंप में 79 लोगों की जान गई थी। पड़ोसी देश मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भी इस संकट की घड़ी में फिलीपींस को हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया है।

लापता की तलाश

सुमन पुल्लूर प्रजापति माताजी
उम्र – 67 वर्ष
दहिसर (पूर्व), मुंबई
दिनॉक 23/05/2026
समय शाम 8 बजे से लापता है।
यदि आपको इनका कोई पता चले तो
कृपया तुरंत संपर्क करें
संपर्क – प्रदीप प्रजापति
मो. 8097426628
Dhan Nirankarji &
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001
संपर्क – प्रजापति माताजी परिवार
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001
आपकी छोटी सी जानकारी किसी अपने को घर वापस ला सकती है।

सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को बचाने वाले 'रहवीरों' को मिलेगा 25,000 का इनाम: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 08 जून। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 8 जून को भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से दो नई पहलों की घोषणा की, जिनमें आपातकालीन स्थिति में सबसे पहले पहुंचने वाले नागरिकों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन भी शामिल है। इन उपायों के बारे में बताते हुए गडकरी ने कहा कि हमने दो योजनाएं शुरू की हैं। एम्स के एक डॉक्टर की अध्यक्षता वाली एक समिति ने रिपोर्ट दी है कि हमारे देश में प्रतिवर्ष 180,000 मौतें और 500,000 दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटना पीड़ितों में से 30% को अगर तुरंत अस्पताल ले जाया जाए तो बचाया जा सकता है, यानी 50,000 जानें।

त्वरित जन सहायता को

प्रोत्साहित करने के लिए, मंत्रालय ने रहवीर पहल शुरू की। गडकरी ने बताया कि यदि लोग इन 50,000 लोगों को अस्पताल पहुंचाने में मदद करते हैं, तो उनकी जान बचाई जा सकती है; हम ऐसे जीवनरक्षकों को रहवीर कहते हैं, और बचावकर्ता को 25,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सरकार आपातकालीन चिकित्सा देखभाल में आने वाली वित्तीय बाधाओं को दूर करेगी। मंत्री ने आगे कहा कि इसके बाद, सड़क के प्रकार की परवाह किए बिना चाहे वह राष्ट्रीय, जिला या नगरपालिका हो और जिस भी अस्पताल में पीड़ित को भर्ती कराया जाता है, हम सात दिनों तक के उपचार खर्च को तुरंत वहन करेंगे, अस्पताल के बिल का भुगतान अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक करेंगे।

स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए गडकरी ने कहा, मेरा मानना है कि ये योजनाएं एक महत्वपूर्ण मुद्दे का समाधान करती हैं, क्योंकि हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या विश्व स्तर पर सबसे अधिक है। यदि सभी सहयोग करें, तो हम अनगिनत जानें बचा सकते हैं। उन्होंने निजी क्षेत्र की भागीदारी का भी उल्लेख करते हुए कहा कि आज रैपिडो ने पहल की है और अपना समर्थन देने का वादा किया है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055

Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW: 7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

कॉकरोच जनता पार्टी: लोकतंत्र का व्यंग्य या लोकतांत्रिक मयार्दाओं पर संकट?

-ललित गर्ग

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल मतदान की व्यवस्था नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, असहमति, संवैधानिक मयार्दाओं और सामाजिक उत्तरदायित्वों का एक सशक्त तंत्र है। लोकतंत्र की शक्ति विरोध में निहित है, लेकिन उसकी गरिमा विरोध की शैली, उद्देश्य और मयार्दा से निर्धारित होती है। हाल के दिनों में चर्चित हुई तथाकथित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) इसी संदर्भ में गंभीर विमर्श की मांग करती है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध के नाम पर उभरा। प्रारम्भ में यह सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में सामने आया और बाद में दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गया। इसके समर्थकों ने इसे युवाओं के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तव में शिक्षा सुधार का आंदोलन है या लोकतांत्रिक असंतोष को व्यंग्य, उपहास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की दिशा में मोड़ने वाला एक नया प्रयोग?

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देता है। किंतु कोई भी अधिकार निरंकुश नहीं होता। लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य समाधान की खोज होना चाहिए, न कि अराजकता का विस्तार। यदि विरोध का स्वर केवल उपहास, आक्रोश और टकराव तक सीमित रह जाए, तो वह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। कॉकरोच जनता पार्टी का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को कॉकरोच के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले, तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है।

किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं-परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मांगों को मनवाने का तरीका भी उतना ही जिम्मेदार है? क्या कॉकरोच के मुखौटे पहनना, राजनीतिक व्यंग्य को आंदोलन का आधार बनाना और सोशल मीडिया पर उत्तेजक अभियानों को बढ़ावा देना शिक्षा सुधार का व्यावहारिक मार्ग है? क्या इससे सरकार, विशेषज्ञों और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा? इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन नारेबाजी से नहीं, बल्कि वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक अनुशासन और रचनात्मक दबाव से आते हैं।

भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही शक्ति यदि निराशा, बेरोजगारी और असंतोष से घिर जाए तो विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के लिए उपयोग का साधन भी बन सकती है। आज देश का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और भविष्य को लेकर चिंतित है। यह चिंता वास्तविक है। लेकिन हर वास्तविक चिंता के साथ एक खतरा भी जुड़ा होता है-उसका राजनीतिक दोहन। जब किसी आंदोलन के पीछे विभिन्न राजनीतिक समूहों, सत्ता-विरोधी संगठनों और वैचारिक एजेंडों की उपस्थिति दिखाई देने लगे, तब यह आशंका स्वाभाविक हो जाती है कि कहीं युवाओं की पीड़ा को राजनीतिक हथियार तो नहीं बनाया जा रहा। यदि छात्र आंदोलन शिक्षा सुधार की जगह सरकार-विरोधी अभियान में बदल जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान स्वयं छात्रों का होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि वे किसी राजनीतिक प्रयोगशाला के उपकरण नहीं हैं। उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के लिए है, किसी छिपे हुए राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं।

सीजेपी के समर्थकों द्वारा कभी-कभी नेपाल, बांग्लादेश अथवा अन्य देशों में हुए युवा आंदोलनों का उल्लेख किया जाता है। ऐसी तुलना न केवल जल्दबाजी है बल्कि भ्रामक भी हो सकती है। भारत की लोकतांत्रिक संरचना, संस्थागत शक्ति, न्यायिक व्यवस्था, मीडिया की स्वतंत्रता और संवैधानिक ढांचा पड़ोसी देशों से भिन्न है। जिन परिस्थितियों में अन्य देशों में जनआंदोलन उभरे, वे परिस्थितियां भारत में मौजूद नहीं हैं। भारत में चुनावी परिवर्तन की सशक्त व्यवस्था है। यहां सरकारें जनमत से बनती और बदलती हैं। इसलिए भारत के युवाओं को विदेशी या पड़ोसी देशों के आंदोलनों की भावनात्मक तुलना के बजाय भारतीय लोकतंत्र की विशेषताओं को समझना चाहिए। हर देश की राजनीतिक परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए विदेशी उदाहरणों के आधार पर भारत में असंतोष को भड़काना न तो बौद्धिक रूप से उचित है और न ही राष्ट्रीय हित में।

आज सोशल मीडिया किसी भी विचार को कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोकप्रियता और वैधता एक जैसी चीजें नहीं हैं। कई बार कोई विचार ट्रेंड तो बन जाता है, लेकिन उसके पास न स्पष्ट दृष्टि होती है, न कोई रचनात्मक कार्यक्रम और न कोई उत्तरदायित्व। सोशल मीडिया पर वायरल होना लोकतांत्रिक स्वीकृति का प्रमाण नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी का तेजी से लोकप्रिय होना इस बात का संकेत अवश्य है कि युवाओं में असंतोष है, लेकिन यह इस बात का प्रमाण नहीं कि आंदोलन का मार्ग सही है। लोकतंत्र में ट्रेंडिंग हैशटैग से अधिक महत्व तथ्यों, नीति और संस्थागत संवाद का होता है। यदि राजनीति केवल मीम, व्यंग्य और डिजिटल आक्रोश तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र धीरे-धीरे विचारशील नागरिकता से हटकर भीड़तंत्र में बदल सकता है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता, संस्थागत विश्वास और राष्ट्रीय एकता का भी है। यदि युवा शक्ति का बड़ा हिस्सा निरंतर अविश्वास, नकारात्मकता और टकराव की राजनीति की ओर आकर्षित होता है, तो यह लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। विकास के लिए केवल आलोचना नहीं, बल्कि सहभागिता भी आवश्यक है। युवाओं को सरकार से प्रश्न पूछने चाहिए, लेकिन साथ ही समाधान भी प्रस्तुत करने चाहिए। उन्हें जवाबदेही मांगनी चाहिए, लेकिन संस्थाओं के प्रति सम्मान भी बनाए रखना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता विरोध और सहयोग के संतुलन में निहित है। इस पूरे प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष उन राजनीतिक दलों और नेताओं की भूमिका है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे आंदोलनों को समर्थन देते दिखाई देते हैं।

यदि कोई राजनीतिक दल वास्तव में शिक्षा सुधार चाहता है तो उसे संसद, विधानसभाओं और नीति मंचों पर ठोस प्रस्ताव रखने चाहिए। लेकिन यदि छात्र असंतोष को केवल सरकार को घेरने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र और युवाओं दोनों के साथ अन्याय है। राजनीतिक दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि वे शिक्षा सुधार के लिए क्या ठोस कार्यक्रम रखते हैं। केवल विरोध का समर्थन करना पर्याप्त नहीं है। लोकतंत्र में जिम्मेदार विपक्ष का दायित्व विकल्प प्रस्तुत करना भी होता है। परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, पेपर लीक पर कठोर दंड, रोजगार सृजन, शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार-ये सभी वास्तविक और महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। लेकिन इनका समाधान व्यंग्यात्मक राजनीति या प्रतीकात्मक आक्रोश में नहीं है। समाधान सरकार, न्यायपालिका, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, छात्र संगठनों और समाज के बीच निरंतर संवाद में है। आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के असंतोष को रचनात्मक ऊर्जा में बदला जाए। भारत का लोकतंत्र विरोध को स्वीकार करता है, लेकिन वह विरोध तभी सार्थक होता है जब वह व्यवस्था को तोड़ने के बजाय सुधारने की दिशा में आगे बढ़े।

कॉकरोच जनता पार्टी जैसी प्रवृत्तियां पहली दृष्टि में लोकतांत्रिक व्यंग्य और युवा असंतोष की अभिव्यक्ति लग सकती हैं, लेकिन इनके दूरगामी प्रभावों की गंभीर समीक्षा आवश्यक है। यदि राजनीति उपहास, प्रतीकात्मक आक्रोश और डिजिटल उत्तेजना तक सीमित हो जाएगी, तो लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होगी। भारत को आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो प्रश्न भी पूछें और समाधान भी खोजें। जो विरोध भी करें और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी भी निभाएं। लोकतंत्र की शक्ति संघर्ष में नहीं-संवाद में है, विभाजन में नहीं-समन्वय में है और तात्कालिक उत्तेजना में नहीं-दीर्घकालिक राष्ट्रहित में है। इसलिए समय की मांग है कि युवा, राजनीतिक दल और समाज सभी मिलकर यह विचार करें कि क्या कॉकरोच राजनीति वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करेगी, या फिर वह भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति, राजनीतिक मयार्दाओं और विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प के सामने एक नई चुनौती बनकर उभरेगी। यही प्रश्न आज सबसे अधिक प्रासंगिक है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर 'राम मंदिर विरोधी' होने का ठप्पा क्यों लगा है?

अशोक भाटिया

अखिलेश यादव पर 'राम मंदिर विरोधी' होने का ठप्पा उनकी और समाजवादी पार्टी की पिछली सरकारों के फैसलों, हिंदुत्व विरोधी माने जाने वाले बयानों और राम मंदिर आंदोलन के दौरान अयोध्या में हुई गोलीबारी (1990) से जुड़े ऐतिहासिक विवादों के कारण लगा है। इसे मुख्य रूप से निम्नलिखित राजनीतिक और ऐतिहासिक कारणों से बल मिलता है।

1990 की अयोध्या गोलीबारी: अक्टूबर 1990 में जब अयोध्या में कारसेवकों की भारी भीड़ जुटी थी, तब मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली तत्कालीन सपा सरकार ने पुलिस को गोली चलाने का आदेश दिया था। इस घटना में कई कारसेवकों की जान गई थी, जिसे लेकर हिंदूवादी संगठनों और भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने उन्हें 'राम मंदिर विरोधी' माना। चूंकि अखिलेश यादव इसी पार्टी की विरासत संभालते हैं, इसलिए यह आरोप उन पर भी चस्पा किया जाता है। सांस्कृतिक और धार्मिक मुद्दों पर रुख: सपा सरकार के दौरान कुछ ऐसे फैसले लिए गए (जैसे वीएचपी की विवादित यात्राओं पर प्रतिबंध और हिंदुत्व के एजेंडे का विरोध), जिन्हें भाजपा अखिलेश यादव पर 'राम मंदिर विरोधी' होने का ठप्पा उनकी और समाजवादी पार्टी की पिछली सरकारों के फैसलों, हिंदुत्व विरोधी माने जाने वाले बयानों और राम मंदिर आंदोलन के दौरान अयोध्या में हुई गोलीबारी (1990) से जुड़े ऐतिहासिक विवादों के कारण लगा है। इसे मुख्य रूप से निम्नलिखित राजनीतिक और ऐतिहासिक कारणों से बल मिलता है।

संसद में हालिया बयान: अखिलेश यादव अक्सर संसद या राजनीतिक मंचों से तंज कसते हुए यह कहते हैं कि ₹जिन्होंने गोली चलवाई, वे ही राम मंदिर बनवा रहे हैं।₹ इस तरह के बयान उनके और भाजपा के बीच वैचारिक टकराव को दिखाते हैं और उनकी मंदिर विरोधी छवि को मजबूत करते हैं।

समारोहों से दूरी: अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को हुए भव्य 'राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा' समारोह और 2024 में रामलला के दर्शन का निमंत्रण मिलने के बावजूद अखिलेश यादव का उसमें शामिल न होना, हिंदूवादी संगठनों के बीच उनकी छवि को मंदिर-विरोधी के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा कारण बना। जब विधान सभा में राम मंदिर धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया था तब सपा के 108 में से केवल 14 विधायकों ने विधानसभा में राम मंदिर धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध किया। भाजपा की ओर से कहा जा रहा था कि इनके नाम सार्वजनिक किये जाएं। यूपी बजट सत्र के तीसरे दिन 5 फरवरी को सदन में अपने अभिभाषण के दौरान डॉक्टर शलभमणि त्रिपाठी ने सपा को जमकर लताड़ लगाई। विधानसभा में उन्होंने कहा कि 'राम मंदिर का आमंत्रण तो आप को भी मिला था पर आप अयोध्या नहीं गए। मैं बहुत हैरान हुआ कि जब आप लोग भगवान राम के आमंत्रण पर नहीं गए। आप लोगों ने भगवान राम के वजूद को नकार दिया था। आप लोगों के लिए पश्चाताप का आखिरी अवसर था। आज जब सदन में भगवान राम के नाम पर बधाई प्रस्ताव जा रहा था तब आप लोग चुप रह सकते थे लेकिन आपने विरोध शुरू कर दिया। मैं विधानसभा अध्यक्ष से मांग करता हूं कि उन 14 सपा नेताओं के नाम सार्वजनिक कीजिए जिन्होंने भगवान राम के नाम पर आए बधाई प्रस्ताव का विरोध किया है।' दरअसल राम मंदिर निर्माण को लेकर सरकार की ओर से विधानसभा में बधाई प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव का समाजवादी पार्टी के सदस्यों की ओर से आवाज आई कि यह जबरदस्ती की बधाई है। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि कोई जबरदस्ती नहीं है, जो सहमत हों वही बधाई दें। प्रस्ताव पेश होने के बाद समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यों ने इसके विरोध में हाथ नहीं उठाया।

दरअसल बीजेपी चाहती थी कि ये नाम सामने आएं ताकि उनके मतदाताओं को भी पता चल सके उनके प्रतिनिधि राम मंदिर उद्घाटन में ही नहीं गए बल्कि धन्यवाद प्रस्ताव भी उन्हें मंजूर नहीं है। वैसे भी जनता को यह जानने का अधिकार है कि विधानसभा में पेश होने वाले प्रस्ताव का हमारे जनप्रतिनिधि का क्या रुख है। मतदाता अपने नेता के किए गए कार्यों के आधार पर ही उसे भविष्य में वोट देना है या नहीं देना है का फैसला लेता है।विधायक शलभ मणि ने मीडिया से कहा कि जिन विधायकों ने सदन में भगवान राम के नाम का विरोध किया, अब वे नहीं चाहते कि उनका नाम सार्वजनिक हो, उन्हें पता है कि भगवान राम के खिलाफ वोट करके वे अपने क्षेत्र में जाएंगे तो लोग ही नहीं उनके परिवार वाले भी उनसे पूछेंगे कि आपने ऐसा क्यूँ किया। यही वजह है कि सपा विधायक ओमवेश जी ने तो प्रभु राम के खिलाफ दिया गया अपना वोट यह कहते हुए वापस ले लिया कि वे पक्के राम भक्त हैं। जो राम और राष्ट्र के साथ नहीं, देश उनके साथ नहीं खड़ा होगा।

गौरतलब है की विधानसभा में प्रस्ताव आने के बाद सपा के 97 विधायकों ने योगी सरकार का समर्थन किया। महज 14 विधायकों ने विरोध करते हुए हाथ ऊपर नहीं किया। रालोद के विधायकों का भी समर्थन योगी सरकार को मिला। 14 विधायकों में से एक स्वामी ओमवेश ने अपना विरोध वापस ले लिया है, मतलब अब केवल 13 विधायक ही प्रस्ताव का विरोध करने वाले रह गए हैं। साफ है कि राम मंदिर के नाम पर पार्टी में कभी विधायक दल की बैठक नहीं हुई या राममंदिर मुद्दे पर पार्टी को क्या स्टैंड लेना है इस पर भी पार्टी से सलाह नहीं ली गई। पार्टी पिछले 4 चुनावों से उत्तर प्रदेश में मुंह की इसी लिए खा रही है क्योंकि पार्टी को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चलाया जा रहा है। बताया तो यभी गया था कि 2022 में समाजवादी पार्टी के 108 विधायक चुनकर सदन में पहुंचे। जिसमें से करीब 32 विधायक मुस्लिम हैं। आरएलडी के 9 विधायकों में भी करीब 2 विधायक मुस्लिम हैं। समाजवादी पार्टी के कुल 13 लोगों ने राम मंदिर धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध किया है। यह विरोध लालजी वर्मा के नेतृत्व में किया गया। दूसरा नाम अखिलेश यादव का भी होगा जाहिर है। अब बचे 11 लोग केवल अखिलेश के पक्ष में बचे।

विधानसभा में समाजवादी पार्टी के एक विधायक अब भी पुराने दौर के सपा से बाहर नहीं निकल पाए हैं। यह जानते हुए भी कि 90 प्रतिशत विधायक राम मंदिर के साथ हैं सपा विधायक तूफानी सरोज सदन में कहते हैं कि अगर वो भी होते कारसेवकों पर गोली चलवाते। दरअसल समाजवादी पार्टी पितृ पुरुष मुलायमसिंह यादव ने 1990 में कारसेवकों पर गोली चलवाकर अल्पसंख्यक वोटों के सरदार बन गए थे। समाजवादी पार्टी में अब भी कुछ नेताओं को ऐसा लगता है कि अखिलेश यादव को भी ऐसा करना चाहिए। यही कारण है कि अखिलेश यादव आम जनता का नब्ज नहीं समझ पा रहे हैं। बीजेपी चाहती है कि राम मंदिर पर धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध करने वाले विधायकों का नाम उजागर करने के बहाने समाजवादी पार्टी की पोल खोली जा सके।

अब तो हद हो गई जब अयोध्या स्थित भव्य राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब हो गए हैं। इस मामले को लेकर उन्होंने सीधे तौर पर सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा है, वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इन आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। यादव ने इस मामले में अदालत से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है। यादव ने पोस्ट में आगे कहा कि ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहाँ तक कहा कि अदालत से स्वतः संज्ञान लेने की जरूरत है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है जबकि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने रविवार को एक बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता रहता है। इस प्रक्रिया में ट्रस्ट और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। ऑडिट की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। इन दिनों भी यही काम हो रहा है। अभी तक कोई खास बात सामने नहीं आई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी और निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेन्द्र दास ने अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मीडिया से कहा अगर इस मामले में किसी ने कुछ गलत किया है, तो भगवान राम स्वयं उन्हें दंडित करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और सरकार द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय ट्रस्ट को स्वीकार्य है। लोगों का कहना है कि अखिलेश यादव पर कई बार हिन्दू विरोधी होने व राम मंदिर विरोधी होने का ठप्पा लग चुका है और यदि उनका आरोप बेबुनियाद व राजनीतिक प्रेरित साबित होता है तो वे शायद अपने 108 सदस्य भी खो देंगे।

मोदी सरकार @12: देश बदला या बदल गई देश की सोच?

-सुरेश गांधी

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड ऐसे होते हैं जो केवल सरकारों के कार्यकाल नहीं होते, बल्कि वे राष्ट्र की दिशा और सोच को बदलने वाले युग बन जाते हैं। वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तब देश परिवर्तन की आकांक्षा, भ्रष्टाचार के खिलाफ जनाक्रोश और विकास की उम्मीदों के साथ एक नए मोड़ पर खड़ा था। गुजरात मॉडल की सफलता के साथ राष्ट्रीय राजनीति में उभरे मोदी ने ₹अच्छे दिन₹ का नारा दिया और जनता ने उन्हें अभूतपूर्व जनादेश देकर सत्ता की बागडोर सौंप दी। आज, 2026 में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह सफर केवल चुनावी जीतों का नहीं, बल्कि उन निर्णयों, नीतियों और परिवर्तनों का भी है जिन्होंने भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, विदेश नीति और सामाजिक संरचना को नई दिशा देने का प्रयास किया। समर्थकों के लिए यह राष्ट्र के पुनर्जागरण का कालखंड है, जबकि आलोचकों के लिए कई प्रश्नों और बहसों से भरा दौर। लेकिन इतना निर्विवाद है कि इन 12 वर्षों ने भारत की राजनीति की धुरी बदल दी है।

2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला। यह तीन दशक बाद पहली बार था जब किसी एक दल को अपने दम पर इतनी बड़ी जीत मिली। इसके साथ ही गठबंधन राजनीति के लंबे दौर के बाद देश ने एक मजबूत और निर्णायक नेतृत्व को देखा। मोदी ने स्वयं को केवल प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि प्रधान सेवक के रूप में प्रस्तुत किया। सीधे संवाद, रेडियो कार्यक्रम मन की बात सोशल मीडिया की सक्रियता और जनसंपर्क की नई शैली ने उन्हें आम जनता से सीधे जोड़ दिया। मोदी सरकार के कार्यकाल की चर्चा आर्थिक सुधारों के बिना अधूरी है। सरकार ने वित्तीय समावेशन, डिजिटल भुगतान और कर सुधारों को नई दिशा दी। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा। पहली बार गांवों और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के खाते खुले। इसका सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों तक पहुंचने लगा और बिचौलियों की भूमिका कम हुई।

डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को तकनीकी रूप से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज यूपीआई भुगतान प्रणाली पूरी दुनिया में भारत की पहचान बन चुकी है। सड़क किनारे चाय बेचने वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक डिजिटल भुगतान को अपनाने लगे हैं। नकदी आधारित अर्थव्यवस्था से डिजिटल लेनदेन की ओर बढ़ता भारत आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन रहा है। 2017 में लागू वस्तु एवं सेवा कर (GST) स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में गिना जाता है। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद इसने देश को एकीकृत बाजार की दिशा में आगे बढ़ाया। कर प्रणाली में पारदर्शिता आई और कर संग्रह में वृद्धि दर्ज की गई।8 नवंबर 2016 को घोषित नोटबंदी मोदी सरकार का सबसे चर्चित फैसला रहा। सरकार ने इसे काले धन, भ्रष्टाचार और नकली मुद्रा के खिलाफ अभियान बताया। हालांकि इस निर्णय को लेकर अर्थशास्त्रियों और विपक्ष ने कई सवाल भी उठाए। फिर भी यह फैसला मोदी की निर्णायक नेतृत्व शैली का प्रतीक बन गया।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत उसकी जनकल्याणकारी योजनाएं रही हैं, जिनका सीधा लाभ गरीब और मध्यम वर्ग तक पहुंचा। ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ा अभियान बन गया। गरीब परिवारों को पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा की सुविधा देकर सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा हस्तक्षेप किया। लाखों लोगों को महंगे इलाज का लाभ मिला। ₹सबके लिए आवास₹ के लक्ष्य के साथ करोड़ों परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इसका प्रभाव दिखाई दिया। महात्मा गांधी के स्वच्छता के सपने को जनआंदोलन में बदलने का प्रयास किया गया। करोड़ों शौचालयों के निर्माण ने ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मोदी सरकार की पहचान एक मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति से भी बनी।

उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भारत ने पहली बार खुलकर सीमा पार सैन्य कार्रवाई की। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक नीति अपनाने को तैयार है। सरकार का दावा है कि आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी सुरक्षा बलों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 5 अगस्त 2019 भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण तारीखों में दर्ज हो गई। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाकर विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया गया। सरकार का मानना था कि इससे विकास, निवेश और राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूती मिलेगी। विपक्ष ने इस कदम पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संघीय ढांचे को लेकर सवाल उठाए, लेकिन सरकार अपने निर्णय पर कायम रही। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण भाजपा के वैचारिक एजेंडे का प्रमुख हिस्सा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ और 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक क्षण का रूप लिया। यह केवल धार्मिक घटना नहीं थी, बल्कि भारतीय राजनीति और सांस्कृतिक विमर्श में एक नए अध्याय की शुरूआत भी थी। मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया। तीन तलाक कानून. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान. महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन. इन पहलों ने महिलाओं की राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी को नई ऊर्जा दी। 2020 में नई शिक्षा नीति लागू कर देश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव का प्रयास किया गया। मातृभाषा में शिक्षा, कौशल विकास, तकनीकी दक्षता और बहुविषयक अध्ययन को बढ़ावा दिया गया। युवाओं को स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना और स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान करने का प्रयास किया गया। कोविड-19 महामारी मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आई। लॉकडाउन, प्रवासी मजदूरों की समस्याएं, स्वास्थ्य ढांचे पर दबाव और दूसरी लहर के दौरान उत्पन्न संकट ने सरकार की परीक्षा ली। हालांकि दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का संचालन कर भारत ने करोड़ों लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया। वैक्सीन निर्माण और वितरण के क्षेत्र में भारत ने वैश्विक स्तर पर भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

पिछले 12 वर्षों में भारत की विदेश नीति अधिक सक्रिय और प्रभावशाली दिखाई दी। अमेरिका, फ्रांस, जापान, रूस, ऑस्ट्रेलिया, यूएई और अफ्रीकी देशों के साथ संबंध मजबूत हुए। जी-20 की अध्यक्षता, क्वाड में सक्रिय भूमिका और ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत की पहचान मजबूत हुई। आज दुनिया भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था की निर्णायक शक्ति के रूप में देखने लगी है। हर राजनीतिक यात्रा की तरह मोदी सरकार को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। विपक्ष लगातार बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, सामाजिक ध्रुवीकरण और संस्थाओं की स्वायत्तता जैसे मुद्दे उठाता रहा। कृषि कानूनों के खिलाफ चले आंदोलन ने सरकार को कानून वापस लेने के लिए विवश किया। यह दर्शाता है कि लोकतंत्र में जनभावनाएं और राजनीतिक सहमति आज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मोदी सरकार अब ₹विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए आर्थिक विकास, तकनीकी नवाचार, आत्मनिर्भरता, हरित ऊर्जा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को प्रमुख आधार बनाया गया है। आने वाले वर्षों में रोजगार, कृषि, जल संकट, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक समरसता जैसी चुनौतियां सरकार की नीतियों की वास्तविक परीक्षा लेंगी। नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली अध्यायों में शामिल हो चुका है। यह दौर बड़े फैसलों, व्यापक जनसमर्थन, तीखी राजनीतिक बहसों और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का साक्षी रहा है। समर्थक इसे नए भारत के निर्माण का युग मानते हैं, जबकि आलोचक कई अनुत्तरित प्रश्नों की ओर इशारा करते हैं। लेकिन इतिहास का एक सत्य यह भी है कि कुछ व्यक्तित्व और कुछ कालखंड अपने समय से आगे निकल जाते हैं। मोदी सरकार के 12 वर्ष भी भारतीय लोकतंत्र में ऐसे ही एक युग के रूप में याद किए जाएंगे, जिसने देश की राजनीति, शासन और जनमानस पर गहरी छाप छोड़ी है। ₹बारह वर्षों में नरेंद्र मोदी केवल एक प्रधानमंत्री नहीं रहे, बल्कि भारतीय राजनीति की वह केंद्रीय धुरी बन गए जिसके इर्द-गिर्द उपलब्धियों, अपेक्षाओं, बहसों और भविष्य की संभावनाओं का पूरा विमर्श घूमता रहा है।

व्यवस्था के बाहर ही नहीं भीतर भी भरी है 'कॉकरोच'

-तनवीर जाफरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात₹ कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में लोगों से गर्मी से बचाव करने हेतु सावधानी बरतने की अपील की थी। इस अपील में दोपहर के समय घर से बाहर नहीं निकलना और चक्कर आने पर छायादार जगह पर लेटना जैसे अनेक देसी उपाय शामिल थे। परन्तु इस अपील के बावजूद गत 6 जून को हजारों छात्रों व युवाओं को दिल्ली की चिलचिलाती धूप में जंतर मंतर पर इकठ्ठा होने के लिये मजबूर होना पड़ा। यह युवा व छात्र देश के शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहे थे। जेन जी ने जंतर मंतर पर यह घोषणा की कि यदि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते तो इस तरह के प्रदर्शन देशभर में किये जायेंगे। गौरतलब है कि धर्मेंद्र प्रधान विगत लगभग 5 वर्षों से लगातार भारत सरकार के शिक्षा मंत्री के पद पर आसीन हैं। उन्हीं के कार्यकाल के दौरान NEET-UG 2024 जिसकी परीक्षा 5 मई 2024 को निर्धारित थी,का पेपर बिहार में लीक हुआ था। इस मामले में कई आरोपी गिरफ़्तार भी हुए थे। अभी पिछले दिनों उन्हीं के कार्यकाल में NEET-UG का पेपर लीक हुआ। इस से दुखी होकर चार छात्रों ने आत्महत्या कर ली और लगभग 22 लाख छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया। हालांकि कांग्रेस ने 2014-2024 तक 25 परीक्षाओं की सूची जारी की है जिसमें बिहार TET, UPSC तथा बिहार, उत्तर प्रदेश व राजस्थान आदि की राज्य स्तर की भर्ती परीक्षाओं में धांधली अथवा पेपर लीक की शिकायत है। इनमें से कई मामले धर्मेंद्र प्रधान के पिछले कार्यकाल यानी 2021-2024 में हुए। ऐसे में युवा बेरोजगार छात्रों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है।

अभी पेपर लीक पर युवाओं का आक्रोश सोशल मीडिया के माध्यम से सत्ता व व्यवस्था पर फूट ही रहा था की अचानक भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने गत 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान यह कह दिया कि कॉकरोच की तरह ऐसे देश के कई युवा हैं, जिन्हें रोजगार नहीं मिल रहा है। ये युवा आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आर टी आई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला शुरू कर देते हैं। जस्टिस सूर्यकांत के इस बयान के सार्वजनिक होते ही पहले से ही बेरोजगारी व अनिश्चितता के माहौल में जी रहे देश के युवाओं में स्वभाविक रूप से उबाल आ गया। हालांकि विवाद बढ़ने पर मौके की नजाकत को भांप मुख्य न्यायाधीश ने अपनी सफाई देते हुये कहा कि उनकी बात को तोड़-मरोड़ के पेश किया गया है। उनका निशाना युवा नहीं थे, बल्कि फर्जी डिग्रियों और गलत तरीकों से प्रतिष्ठित पेशों में घुसपैठ कर रहे लोग थे। उन्होंने कहा कि मुझे हर भारतीय युवा पर गर्व है और हर युवा मुझे प्रेरणा देता है और वह युवाओं को विकसित भारत के स्तंभ के तौर पर देखते हैं'। परन्तु मुख्य न्यायाधीश का स्पष्टीकरण आने तक देश का बेरोजगार युवा और व्यवस्था से नाराज नई युवा पीढ़ी जेन जी आक्रोशित हो चुकी थी। अभिजीत दीपके जोकि पूर्व में आम आदमी पार्टी के साथ एक राजनीतिक संचार रणनीतिकार के रूप में भी काम कर चुके हैं, ने 16 मई 2026 को सोशल मीडिया पर आधिकारिक रूप से 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नाम से पहले एक मजाकिया ऑनलाइन पेज शुरू किया बाद में यह इंस्टाग्राम, (ट्विटर) जैसे प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हुआ और देखते ही देखते मात्र चार दिन में इस पेज ने रिकार्ड 44 लाख से अधिक युवा समर्थक जुटा लिए। इंस्टाग्राम पर तो सिर्फ 5 दिन में 1.87 करोड़ फॉलोवर्स हो गये। इस अभियान से भयभीत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर इसका (ट्विटर) अकाउंट भारत में ब्लॉक करवा दिया।

जस्टिस सूर्यकांत द्वारा देश के युवाओं को काकरोच अथवा परजीवी कहे जाने के बाद व अपने इस बयान पर सफाई दिये जाने के बावजूद 'कॉकरोच' की परछाईं उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। गत 4 जून को लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर आयोजित एक व्याख्यान में कई प्रतिभागियों ने भारत में लोकतंत्र के रिकॉर्ड और असहमति के प्रति बढ़ती शत्रुता को लेकर जस्टिस सूर्यकांत के समक्ष सवाल उठाया। यह हंगामा भी जस्टिस सूर्यकांत के 15 मई के बेरोजगार युवाओं को ₹कॉकरोच₹ बताने वाले बयान से जुड़ा है। गोया भारतीय युवाओं का आक्रोश अब भारत से बाहर भी नजर आने लगा है। युवाओं का गुस्सा केवल ' कॉकरोच ' जनता पार्टी ' के प्रदर्शन के रूप में दिल्ली में ही नहीं फूटा बल्कि कांग्रेस,युवा कांग्रेस व राष्ट्रीय छात्र संगठन ने भी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा माँगा तथा पेपर लीक के दोषियों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की मांग की। ऐसा लगता है कि शिक्षा मंत्री की प्राथमिकता पारदर्शी व साफ सुथरी परीक्षाएं कराना नहीं बल्कि शिक्षा जैसे नाजुक व गंभीर क्षेत्र में भी अपना एजेंडा लागू करना है। इसी एजेंडे के तहत कहीं पाठ्यक्रमों में व्यापक बदलाव किया जा रहा है तो कहीं इतिहास को ही बदलने की कोशिश की जा रही है। कहीं सर्वधर्म समभाव व साम्प्रदायिक सौहार्द की सीख देने वाले अध्यायों को पाठ्यक्रमों से निकाला जा रहा है तो कहीं पाठ्यक्रमों में आधुनिक विज्ञान,प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के बजाय धर्म और संस्कृति की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त विशेष विचारधारा के अनेक अयोग्य लोगों को वॉइस चांसलर जैसे पदों पर नियुक्त किया जा रहा है। मिसाल के तौर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर, उत्तर प्रदेश) के इसी तरह के एक पूर्व वाइस चांसलर का नाम डॉ. राजाराम यादव था। जिन्होंने छात्रों को भीख मांगने को रोजगार बताया था। उन्होंने कहा था कि बेरोजगार युवा ट्रेन में खंजरी बजाकर भीख मांग कर कमाई कर सकते हैं। यह बयान उस समय छात्रों में भारी आक्रोश पैदा कर गया था। छात्रों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी कि बेरोजगारी का समाधान भीख मांगना नहीं बल्कि सही रोजगार सृजन है। इसी वाइस चांसलर ने छात्रों को हिंसा करने के लिये भी उकसाया था।

गोया पूरी शिक्षा प्रणाली को ही साम्प्रदायिकता का कलेवर चढ़ा कर नए ढंग से परिभाषित करने का प्रयास किया जा रहा है। उधर गरीबों के बच्चों की शिक्षा का एकमात्र सहारा समझे जाने वाले देशभर के लाखों सरकारी विद्यालय बंद हो चुके हैं। जबकि नित नए निजी व मंहगे स्कूल कॉलेज व यूनिवर्सिटीज खुलते जा रहे हैं। जोकि आम लोगों की पहुँच से बाहर हैं। कहना गलत नहीं होगा कि सरकार की ऐसी ही नाकामी व अनदेखी की वजह से ही आज 'कॉकरोच' केवल व्यवस्था के बाहर ही नहीं इस व्यवस्था के भीतर भी भरी पड़ी हैं।

पत्रकार रविंद्र दुबे की माँ लालती देवी के निधन से शोक की लहर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक खबरें पूर्वांचल के संपादक रविंद्र कुमार दुबे की मातुश्री श्रीमती लालती मोहनलाल दुबे निवासी ग्राम मडइयाँ भूभूवार, तहसील मडियाहूँ, जनपद जौनपुर (उत्तर प्रदेश) का उपचार के दौरान विगत 6 जून 2026 को निधन हो गया है ' वह लगभग एक महीने से बीमार चल रही थीं ' वह अपने पीछे पति, पुत्रों, पुत्रियों एवं नाती-पोतों से भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उनके इस दुखद निधन पर गृहदेश के नागरिकों सहित मुंबई के अनेक सुधी पत्रकारों ने शोक प्रकट किया है तथा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है ' ईश्वर उनकी दिवंगत पावन आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

काशीमीरा वार्ड क्रमांक 14 में नाले किनारे सुरक्षा रेलिंग लगाने का कार्य शुरू

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा वार्ड क्रमांक 14 में स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए साई पैलेस होटल से ढाचकुल पाड़ा की ओर जाने वाली सड़क के किनारे स्थित नाले के पास सुरक्षा रेलिंग लगाने का कार्य आज से शुरू कर दिया गया है। यह कार्य क्षेत्र की नगरसेविका यशोदा अनिल ताटे, तथा नगरसेवक तुषार पारधी, के प्रयासों से शुरू हुआ है। स्थानीय निवासियों ने सड़क के किनारे खुले नाले के कारण दुर्घटना की आशंका को लेकर शिकायतें दर्ज कराई थीं, जिसके बाद संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई की गई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सुरक्षा रेलिंग लगने से इस मार्ग पर आने-जाने वाले वाहन चालकों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा संभावित दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। उन्होंने नागरिकों की समस्या पर त्वरित संज्ञान लेने और कार्य प्रारंभ करने के लिए संबंधित विभाग का आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि रेलिंग का कार्य शीघ्र पूरा होने के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

हाईकोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद सड़क निर्माण जारी, अवमानना याचिका की चेतावनी

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका क्षेत्र के भादवड इलाके में सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। याचिकाकताओं ने आरोप लगाया है कि मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा 19 दिसंबर 2025 को जारी स्थगन आदेश (स्टे) के बावजूद संबंधित ठेकेदार एस आर के इन्फ्रा प्रोजेक्ट द्वारा सड़क निर्माण कार्य महानगरपालिका के संरक्षण में जारी रखा गया है, जो न्यायालय के आदेश का खुला उल्लंघन है। जानकारी के अनुसार, सड़क के कंक्रीटीकरण के लिए निकाली गई निविदा प्रक्रिया में सबसे कम दर पर निविदा भरने वाले कुछ अन्य ठेकेदारों को कथित रूप से मामूली दस्तावेजी कमियों के आधार पर अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इसके बाद ठेका एस आर के इन्फ्रा प्रोजेक्ट को प्रदान किया गया। इस निर्णय को चुनौती देते हुए अन्य ठेकेदारों ने मुंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जहां से निविदा प्रक्रिया पर स्थगन आदेश प्राप्त हुआ था। याचिकाकताओं का आरोप है कि कम दर वाली निविदा को आधार बनाकर भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन और शहर अभियंता की कथित मिलीभगत से भादवड में सड़क निर्माण कार्य जारी रखा गया। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि न्यायालय की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों का लाभ उठाकर कार्य को आगे बढ़ाया गया और न्यायालय के आदेश की अवहेलना की गई। याचिकाकताओं ने चेतावनी दी है कि न्यायालय खुलते ही संबंधित ठेकेदार, मनपा आयुक्त, प्रशासनिक अधिकारियों तथा शहर अभियंता के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की जाएगी और उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की जाएगी। उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता, मानसून से पहले कार्य की स्थिति तथा नागरिकों को होने वाली संभावित परेशानियों पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। याचिकाकताओं का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

येज्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 अब और मुंबई में उपलब्ध

मुंबई। येज्दी और बीएसए ने अपनी नई स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलों की रिटेल लॉन्चिंग की घोषणा की है, जो अब मुंबई में उनके अधिकृत डीलरशिप पर उपलब्ध हैं। मूल स्क्रैम्बलर विरासत वाले ये ब्रांड अलग-अलग कीमत पर दो बेहतरीन मोटरसाइकिलें लेकर आए हैं, जो उन राइडर्स के लिए हैं जो एक ऐसी मशीन चाहते हैं जो शहरों में सहज हो, हाईवे पर संतुलित हो और उबड़-खाबड़ रास्तों पर रोमांचक हो। येज्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 में विशेष रूप से तैयार किए गए पावरट्रेन और मजबूत, आकर्षक डिजाइन दिया गया है।

भारत की सबसे हल्की 350सीसी स्क्रैम्बलर, फुतीर्ली येज्दी स्क्रैम्बलर को शहरी आवागमन और वीकेंड के सफर दोनों के लिए इंजीनियर किया गया है। नया लिक्विड-कूल्ड 'कटार' इंजन इस मोटरसाइकिल का कार्यात्मक और संरचनात्मक कोर है। बेहतरीन टॉर्क-टू-वेट रेशो और रिस्पॉन्सिव परफॉर्मेंस के साथ, इसकी शुरूआती कीमत 1,99,950 रुपये रखी गई है। बीएसए स्क्रैम्बलर 650, जो इस सेगमेंट में भारत के एकमात्र 650सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन द्वारा संचालित है, प्रामाणिक ब्रिटिश स्क्रैम्बलर स्टाइलिंग को मजबूत लो और मिड-रेंज टॉर्क डिलीवरी के साथ जोड़ती है। इसका अनूठा डिजाइन गोल्ड स्टार कैटालिना, ए10 स्पिटफायर, और ए65 फायरबर्ड जैसे ऐतिहासिक आइकन से लिया गया है, जो बीएसए की दुनिया भर में प्रसिद्ध स्क्रैम्बलर हैं। यह मोटरसाइकिल 3,24,950 रुपये की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है। क्लासिक लेजेंड्स के को-फाउंडर श्री अनुपम थरेजा ने कहा, स्क्रैम्बलर में मोटरसाइकिलिंग की एसयूवी बनने की क्षमता है, जो मोटरसाइकिलों से राइडर्स की उम्मीदों को हमेशा के लिए बदल देगी। हमें उम्मीद है कि आत्मविश्वास से भरी सिटी-राइडिंग और उससे आगे के लिए बनीं और येज्दी व बीएसए के सिग्नेचर डिजाइन वाली ये मशीनें मुंबई के लोगों को वीकेंड पर सड़कों से परे नए रास्तों को तलाशने के लिए प्रेरित करेंगी। येज्दी स्क्रैम्बलर अपने लुक और परफॉर्मेंस में एक कसी हुई और बेचैन आंधी की तरह है, जबकि बीएसए स्क्रैम्बलर अपनी उस ब्रिटिश विरासत को दशार्ती है जिसने मूल रूप से दुनिया भर में इस फॉर्मेट को प्रेरित किया था।

रोटरी क्लब प्रेसिडेंट रामनारायण गोयल ने नए प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण वैश्य को सौंपी जिम्मेदारी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के वर्ष 2026-27 के लिए नियुक्त रीगल प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. प्रवीण वैश्य की ताजपोशी एवं उनकी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स टीम के शपथग्रहण का भव्य समारोह रविवार 7 जून 2026 की शाम बोईसर स्थित टीमा ऑडिटोरियम में हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3141 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन राजन दुआ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा डिस्ट्रिक्ट पदाधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में रोटेरियन परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम में वर्ष 2025-26 के इंस्पायर प्रेसिडेंट रोटेरियन राम नारायण गोयल ने अपने कार्यकाल का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए लगभग 50 जनोपयोगी एवं सेवा परियोजनाओं की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड तथा मोहिनी ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, तारापुर का उल्लेख करते हुए कहा कि इन संस्थाओं के सीएसआर सहयोग से क्लब की अनेक सामाजिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा सका। अपने संबोधन में रोटेरियन गोयल ने सभी वरिष्ठ रोटेरियनों, पास्ट प्रेसिडेंट्स एवं क्लब सदस्यों के मार्गदर्शन, अनुभव एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से क्लब सेक्रेटरी रोटेरियन शैलेश अग्रवाल तथा वरिष्ठ रोटेरियन एवं पास्ट प्रेसिडेंट विनायक पदमवार के मार्गदर्शन को क्लब की

सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया। रोटेरियन गोयल ने अपनी टीम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स एवं सहयोगियों में डॉ. पराग कुलकर्णी, संदीप राऊत, रमेश मित्तल, अश्विनी सामंत, जगदीश भूते, राकेश मिश्रा, चंद्रकांत कोठावदे, राकेश आचार्य, कमलेश हमबीरे, डॉ. सोनम खांडेजोड़, स्मिता जाधव, संध्या शहापुरे एवं डॉ. रत्ना सिंह का भी विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इनके सहयोग एवं समर्पण के बिना किसी भी परियोजना का सफल क्रियान्वयन संभव नहीं था। कार्यक्रम का सूत्र संचालन सेक्रेटरी शैलेश अग्रवाल ने सुंदर एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया।

रोटरी इंटरनेशनल की परंपरा एवं प्रोटोकॉल के अनुसार डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजन दुआ ने वर्ष 2025-26 को उपलब्धियों एवं सफलताओं से परिपूर्ण कार्यकाल बताते हुए इंस्पायर प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल को सम्मानपूर्वक विदाई दी तथा सीटों की औपचारिक अदला-बदली के साथ क्लब का चार्टर नव नियुक्त प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण वैश्य को सौंपा। इस अवसर पर रोटेरियन राम नारायण गोयल ने डॉ. प्रवीण वैश्य एवं उनकी नई टीम को भविष्य में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजन दुआ ने रोटेरियन गोयल को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके कार्यकाल के दौरान किये गये सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने आगामी वर्ष में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार एवं ऑपरेशन से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की भी घोषणा की। नव नियुक्त प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण वैश्य ने अपने संबोधन में आगामी वर्ष के लिए कई महत्वाकांक्षी सामाजिक परियोजनाओं की घोषणा की। इनमें बर्न हॉस्पिटल की स्थापना, कॉर्डियोलॉजिस्टिक एंबुलेंस, टीबी एवं कैंसर उन्मूलन अभियान, वृक्षारोपण, ब्रेस्ट एवं सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग एवं उपचार तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित परियोजनाएं प्रमुख हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप राऊत एवं कोऑर्डिनेटर स्मिता जाधव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में रो. शैलेश अग्रवाल ने सभी अतिथियों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा स्नेहभोज के साथ समारोह का समापन हुआ।

अपात्र फेरीवालों को Q/R कोड न दिए जाएं; चेंबूर मर्चेंट एसोसिएशन की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेशानुसार और 2014 के सर्वे के आधार पर, मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ओर से पात्र और अपात्र फेरीवालों को Q/R कोड देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी पार्श्वभूमी में, चेंबूर मर्चेंट एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल नगरसेविका और एम पश्चिम की प्रभाग समिति अध्यक्ष श्रीमती आशाताई सुभाष मराठे और लाइसेंस इंस्पेक्टर रमेश साल्वे से श्रीमती आशाताई मराठे के कार्यालय में मिला। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने जोर देकर मांग की कि किसी भी हालत में अपात्र फेरीवालों को Q/R कोड न दिए जाएं। यह भी कहा गया कि पात्र फेरीवालों को ही नियमों के अनुसार लाइसेंस और Q/R कोड दिए जाएं,। जिससे की शहर में ट्रैफिक, पादचारी मार्ग और व्यापारी वर्ग के इलाके में अतिक्रमण का मुद्दा और गंभीर न हो। इन संबंधित मुद्दे को गंभीरता से लेने और उचित कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चेंबूर मर्चेंट एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे।

कृषि ऋण मेले में 3.33 करोड़ रुपये के ऋण वितरित, 75 लाभार्थियों को मिला लाभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की गंजाड, दुंदलवाड़ी, दहाणू व कोजबाड शाखाओं के संयुक्त तत्वावधान में पंचायत समिति सभागार, दहाणू में कृषि ऋण शिविर एवं ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें किसानों, महिला बचत समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

कार्यक्रम में बैंक के डिप्टी जोनल हेड बी. आर. रामकृष्ण नायक (जोनल कार्यालय, मुंबई), रीजनल हेड नवीन ग्रोवर (रीजनल कार्यालय, मुंबई) तथा डिप्टी रीजनल हेड ने उपस्थित रहकर मार्गदर्शन किया। इसके अलावा

लीड बैंक की वित्तीय साक्षरता सलाहकार उज्ज्वला कोकणे, उमेद बीएम एफआई के राहिल शेख तथा दहाणू के तहसील कृषि अधिकारी डॉ. जगन सूर्यवंशी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

शिविर के दौरान दहाणू क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों, फूड प्रोसेसिंग यूनिटों तथा फसल ऋण योजनाओं के अंतर्गत लगभग 75 लाभार्थियों को कृषि एवं फसल ऋण वितरित किये गये। वितरित ऋण की कुल राशि लगभग 3.33 करोड़ रुपये रही। इस अवसर पर दहाणू तहसील की सेंट्रल बैंक के शाखा प्रबंधक, महिला बचत समूहों की सदस्याएं, बैंक सखियां तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे शिविर किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वित्तीय सहायता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार, कृषि विकास और लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम का सफल संचालन अमोल गायकवाड, शाखा प्रबंधक, दहाणू शाखा ने किया। आयोजन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और किसानों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास किया गया।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए शिवसेना और राष्ट्रीय शिवस्वराज्य सेना का वृक्षारोपण अभियान संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा वृक्षारोपण और वृक्ष संवर्धन प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिवसेना प्रणीत राष्ट्रीय शिवस्वराज्य सेना एवं वर्ल्ड वाइड ह्यूमन राइट्स ए.एफ. के संयुक्त तत्वावधान में परेल स्थित प्रिं. वामनराव महाडिक उद्यान में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम शिवसेना के प्रमुख नेता एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा शिवसेना युवा नेता एवं सांसद के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

वर्ल्ड वाइड ह्यूमन राइट्स ए.एफ. के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. अविनाश सकुंडे के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय शिवस्वराज्य सेना के अध्यक्ष जितेंद्र दगडूदादा सकपाळ की प्रमुख उपस्थिति में यह उपक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा भावी पीढ़ियों के लिए हरित विरासत को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर उपस्थित जनों को मार्गदर्शन दिया गया। वृक्षारोपण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता भी की गई। इस कार्यक्रम को एफ-साउथ विभाग के महानगरपालिका प्रशासन का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। आयोजकों ने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश जनसामान्य तक पहुंचाना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं पर्यावरण अनुकूल कार्यक्रमों के माध्यम से समाजसेवा का कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

आरक्षण क्रमांक 122 पर अतिक्रमण के खिलाफ मनपा की बड़ी कार्रवाई, दो अनधिकृत धार्मिक ढांचे हटाए गए

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका ने 8 जून 2026 को अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आरक्षण क्रमांक 122 पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो अनधिकृत धार्मिक ढांचों को नियमों के अनुसार हटाया। मनपा प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा महाराष्ट्र शासन द्वारा 5 मई 2011 को जारी किए गए अनधिकृत धार्मिक स्थलों संबंधी निर्णय के अनुरूप की गई। संबंधित आरक्षित भूखंड सामाजिक वनीकरण तथा खेल मैदान के लिए आरक्षित है। प्रशासन ने बताया कि कार्रवाई से पूर्व सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। नगर

निगम ने पूरी कार्रवाई को अत्यंत संवेदनशीलता, सुव्यवस्थित योजना और कानून के दायरे में रहकर अंजाम दिया। इस दौरान विशेष सावधानी बरती गई ताकि सामाजिक एवं धार्मिक सौहार्द प्रभावित न हो तथा किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। मनपा के अनुसार पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और किसी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। यह कार्रवाई मनपा आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की ओर से आवश्यक पुलिस बल तैनात किया गया था। नगर निगम और पुलिस प्रशासन के समन्वय से यह कार्रवाई सफलतापूर्वक एवं सुचारू रूप से संपन्न हुई।

नवघर पुलिस ने 3 घंटे में सुलझाई हत्या की गुत्थी, दो आरोपी गिरफ्तार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवघर पुलिस स्टेशन ने एक गंभीर हत्या के मामले का त्वरित खुलासा करते हुए सराहनीय कार्य किया है। पुलिस ने अज्ञात शव की पहचान करने के साथ ही हत्या के आरोपियों को मात्र तीन घंटे के भीतर गिरफ्तार कर मामले का पदार्फाश किया। पुलिस के अनुसार, 5 जून 2026 की शाम लगभग 6 बजे भायंदर पूर्व स्थित सचिन तेंदुलकर मैदान के सामने कंधल जंगल क्षेत्र में 30 से 40 वर्ष आयु के एक अज्ञात पुरुष का सड़ी-गली अवस्था में शव बरामद हुआ था। शव आंशिक रूप से जला हुआ होने के कारण उसकी पहचान करना चुनौतीपूर्ण था। इस संबंध में नवघर पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मृत्यु पंजीकरण क्रमांक 64/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 1 जून 2026 से भायंदर पूर्व के पूजा नगर क्षेत्र निवासी 25 वर्षीय गौरव विजयप्रकाश बडसर लापता था। घटनास्थल से प्राप्त वस्तुओं का मिलान करने पर मृतक की पहचान गौरव बडसर के रूप में हुई। आगे की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उसकी हत्या की गई थी। इसके

बाद नवघर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 294/2026 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज की गई। तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने मामले का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि आरोपी विमल प्रेमकुमार राजभर (19) और विशाल प्रेमकुमार राजभर (25) तथा कानून से संघर्षरत एक 16 वर्षीय किशोर ने पुराने विवाद के चलते गौरव बडसर को सचिन तेंदुलकर मैदान के सामने स्थित मैंग्रोव क्षेत्र में सुनसान स्थान पर बुलाया। वहां आरोपियों ने चाकू से हमला कर तथा पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को जलाने का प्रयास किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में ले लिया। मामले की आगे की जांच पुलिस अधिकारी दत्तात्रेय दुमे कर रहे हैं।

यह कार्रवाई आयुक्त निकेत कौशिक, दत्तात्रेय शिंदे, राहुल चव्हाण, सोहेल शेख तथा मुकुंद यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।मामले के खुलासे में नवघर पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा तथा विभिन्न पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की त्वरित और प्रभावी जांच के चलते हत्या जैसे गंभीर अपराध का शीघ्र खुलासा संभव हो सका।

फेनागांव डंपिंग ग्राउंड पर कचरा जलाने का विरोध, जनप्रतिनिधियों ने मनपा को दी चेतावनी

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 22 स्थित फेणागांव डंपिंग ग्राउंड पर कचरा डंप किए जाने और कचरे को जलाने से स्थानीय नागरिकों को हो रही परेशानियों को लेकर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी व्यक्त की है। डंपिंग ग्राउंड से उठने वाली दुर्गंध और धुएं के कारण आसपास के रहवासी क्षेत्रों मानसरोवर, फेणागांव और फेणापाड़ा के नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कचरा जलाए जाने से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जिससे आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इसका असर क्षेत्र में स्थित पी.ई.एम. स्कूल पर भी पड़ रहा है, जहां हजारों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं। इसी समस्या को लेकर वार्ड क्रमांक 22 के नगरसेवक नितेश एंकर तथा वार्ड क्रमांक 22 की नगरसेविका गीता नाईक के पति एवं भाजपा जिला

ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विठोबा नाईक (बिल्ला) ने कार्यकताओं के साथ फेणागांव डंपिंग ग्राउंड का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मनपा प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि डंपिंग ग्राउंड पर कचरा अस्थायी रूप से जमा किया जा सकता है, लेकिन उसे शीघ्र अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। साथ ही किसी भी परिस्थिति में कचरे को जलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। विठोबा नाईक ने कहा कि डंपिंग ग्राउंड की समस्या को लेकर पूर्व में भी धरना-आंदोलन किया जा चुका है तथा भिवंडी मनपा महासभा में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया था। इसके बावजूद यदि नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ जारी रहा तो जनआंदोलन और तेज किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने भी मनपा प्रशासन से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग करते हुए क्षेत्र को प्रदूषण और दुर्गंध से मुक्त कराने की अपील की है।

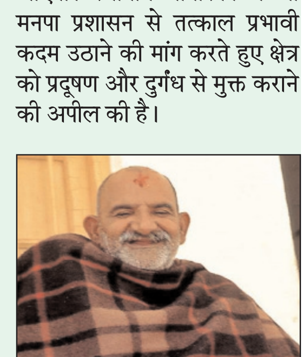

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

रील्स बनाने के चक्कर में 'बाहुबली' बनने का शौक!

सोशल मीडिया पर दबंगई दिखाने की तस्वीर बनी चर्चा का विषय

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रामनगर में सोशल मीडिया पर लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स बढ़ाने की होड़ में युवाओं के बीच भौकाल दिखाने का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला रामनगर(पंचवटी, भीटी रामलीला मैदान) क्षेत्र के पंचवटी मंशा देवी मंदिर के पास का सामने आया है, युवा की सब्जी की दुकान है, जहां एक युवक की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बनी हुई है।

सूत्रों के अनुसार, तस्वीर में दिखाई दे रहा युवक आशीष सोनकर बताया जा रहा है, जो क्षेत्र में सब्जी विक्रेता का कार्य करता है। वायरल हो रही तस्वीर में युवक कमर में तमंचानुमा हथियार लगाए तथा हाथ में डंडा लिए खड़ा दिखाई दे रहा है। तस्वीर के साथ लिखे गए शब्द खुद को इलाके का दबंग और प्रभावशाली व्यक्ति साबित करने की कोशिश की ओर इशारा करते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने और रौब जमाने के लिए इस तरह की तस्वीरें व रील्स बनाना युवाओं में एक नया ट्रेंड बन गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि तस्वीर में दिखाई दे रहा हथियार असली है या नकली।

यदि फोटो अथवा वीडियो के माध्यम से सार्वजनिक रूप से हथियारों का प्रदर्शन किया जा रहा है तो यह कानून-व्यवस्था और सामाजिक माहौल के लिहाज से गंभीर विषय माना जा सकता है। फिलहाल मामले को लेकर किसी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि या पुलिस का बयान सामने नहीं आया है। रील्स का ऐसा चढ़ा खुमार कि खुद को 'बाहुबली' साबित करने की होड़ में युवक ने दिखाई दबंगई की झलक, तस्वीर बनी चर्चा का विषय।

राजस्व टीम ने अवैध खड़ंजे को उखाड़ा, मचा हड़कंप

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के छितौना गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब अवैध तरीके से लगे खड़ंजे की शिकायत पर राजस्व की टीम जेसेबी के साथ मौके पर पहुंच खड़ंजे को उखाड़ने लगी।

कार्यवाही के दौरान गांव में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार पांडेय मय टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। विदित हो कि सत्यप्रकाश पुत्र रामआसरे शनिवार को आयोजित तहसील संपूर्ण समाधान दिवस पर पहुंच भूमधरी पर स्थगन आदेश के बाबजूद जबरन खड़ंजा लगाने की शिकायत की।साथ ही माननीय न्यायालय के स्थगन आदेश के अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग को तहसील प्रशासन से उठाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए 13 सदस्यीय टीम गठित की गई,तत्पश्चात रविवार की सुबह नायब तहसीलदार संदीप सिंह,विवेक श्रीवास्तव व प्रमोद यादव की मौजूदगी में अवैध तरीके से किए गए खड़ंजे को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।तहसील प्रशासन की कार्यवाही से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मचा रहा।

पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने सी योगी से की मुलाकात

◆ **केराकत विधानसभा के विकास कार्यों पर हुई चर्चा**

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक बीजेपी के दिनेश चौधरी ने रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात उनके 'पांच कालिदास मार्ग' स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुई। इस मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री का आशीर्वाद लिया और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की।

वार्ता के दौरान पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने केराकत विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में चल रही और आगामी विभिन्न विकासशील परियोजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री से विस्तार से बात की। उन्होंने पार्टी और क्षेत्र के विकास को और गति देने के संबंध में मुख्यमंत्री से विस्तृत मार्गदर्शन प्राप्त किया।

भेंट के प्रारंभ में पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन के पावन अवसर पर अपनी और केराकत क्षेत्र की जनता की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

इस महत्वपूर्ण मुलाकात के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ० लाल प्रताप सिंह एवं राष्ट्रीय रजक महासंघ, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र श्रीवास भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मुख्यमंत्री का आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त कर प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागिता की बात कही।

दिवंगत अधिवक्ता राजेश पांडेय के परिजनों को बार एसोसिएशन ने सौंपी 1.5 लाख की सहायता राशि

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राजेश कुमार पांडेय के आकस्मिक निधन के बाद सोमवार को उनके परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया गया। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने दिवंगत अधिवक्ता के आवास पर पहुंचकर उनकी पत्नी को अधिवक्ता कल्याण कोष से डेढ़ लाख रुपये की सहायता राशि सौंपा। सोमवार को बार एसोसिएशन के मौजूदा अध्यक्ष सुरेश कुमार राम, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय और महामंत्री हरेंद्र यादव समेत कई वरिष्ठ अधिवक्ता दिवंगत राजेश कुमार पांडेय के घर पहुंचे। पदाधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाया और अपने हाथों से सहायता राशि प्रदान की।

बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि यह सहायता राशि बार के किसी भी अधिवक्ता के असामयिक निधन पर उनके परिजनों को संबल देने के उद्देश्य से प्रदान की जाती है।

गौरतलब है कि पूर्व महामंत्री राजेश कुमार पांडेय का पिछले शुक्रवार को उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से आकस्मिक निधन हो गया था, जिससे अधिवक्ता समाज और स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। इस दुःखद घड़ी में बार एसोसिएशन पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है।

जेसीज चौराहे पर भीषण सड़क हादसा, कार–बाइक की टक्कर में युवक गंभीर घायल

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के जेसिस चौराहा स्थित विशाल मेगा मार्ट के सामने सोमवार को कार और बाइक के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार और बाइक की टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही यातायात उपनिरीक्षक राजेश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं घायल युवक की पहचान और हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार या यातायात नियमों की अनदेखी माना जा रहा है, हालांकि पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय लोगों ने चौराहे पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ किए जाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पीडीए कार्यकर्ता 2027 में भाजपा सरकार की विदाई करने का संकल्प ले चुके है: तूफानी सरोज

करो मरो की तर्ज पर बूथों पर कार्य करेंगे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताः नीरज पहलवान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत के पश्चिमी चौराहा के समीप स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर रविवार को दोपहर आयोजित कार्यकर्ताओ की मासिक बैठक में सपा विधान सभा अध्यक्ष नीरज पहलवान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। करो मरो की तर्ज पर सजग प्रहरी के रूप में कार्यकर्ताओ को कार्य करना होगा। क्षेत्रीय विधायक तूफानी सरोज ने अपने उद्बोधन में बोलते हुये कहा कि पीडीए कार्यकर्ता 2027 में भाजपा सरकार की बिदाई करने का संकल्प ले चुकी है। जो व्यक्ति जातिवादी होगा वह कभी भी समाजकारी नहीं हो सकता। इस अवसर सत्यनारायण यादव, सुरेश यादव, रामराज राजभर, शमशेर यादव, गुड्डु चौहान,पंधारी राम, सुभाष यादव, दुर्गेश कनौजिया, रामसमुझ यादव, पुनीत यादव, रमेश नागर, सुरेश यादव, धर्मेंद्र गौतम, आजाद कुरैशी, वीरेंद्र यादव, सरोज निशाद सुदर्शन सरोज, दरोगा सरोज, नीरज गौतम समेत तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन पवन मंडल ने किया।

श्री गणपति पूजा महासमिति जौनपुर के मुख्य संरक्षक बने लोलारक दुबे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्री गणपति पूजा महासमिति जौनपुर की एक विशेष बैठक शहर के उर्दू बाजार स्थित घनश्यामदास बैंकर के बगीचे में वरिष्ठ संरक्षक एवं समाजसेवी राकेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ पंडित ईशान चतुर्वेदी द्वारा विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। बैठक में महासमिति के मुख्य संरक्षक पंडित अवधेश चतुर्वेदी के हाल ही में सड़क दुर्घटना में हुए निधन पर शोक

व्यक्त किया गया। उनके निधन से रिक्त हुए मुख्य संरक्षक पद पर नियुक्ति को लेकर संरक्षक सदस्यों, विशिष्ट सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने विचार-विमर्श किया। सर्वसम्मति से महासमिति के वरिष्ठ संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार लोलारक दुबे को मुख्य संरक्षक बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से अनुमोदित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने लोलारक दुबे को मुख्य संरक्षक तथा पंडित ईशान चतुर्वेदी को नया संरक्षक सदस्य घोषित करते हुए कहा कि लोलारक दुबे सामाजिक सरोकारों से जुड़े, मृदुभाषी एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं। उन्होंने हमेशा महासमिति को अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके नेतृत्व में महासमिति को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। नवनियुक्त मुख्य संरक्षक लोलारक दुबे ने कहा कि महासमिति द्वारा सौंपे गए दायित्व का वह पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से निर्वहन करेंगे। उन्होंने सभी संरक्षक सदस्यों, विशिष्ट सदस्यों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि महासमिति के हित में वह सदैव तत्पर रहेंगे। बैठक में अशोक शर्मा एडवोकेट, शशि कुमार श्रीवास्तव, अरशद कुरैशी, आनंद मिश्रा एडवोकेट, संजय अस्थाना, डॉ. अतुल प्रकाश यादव, मेहदी रजा एडवोकेट, मनोज मिश्र एडवोकेट सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। आगंतुकों का स्वागत नवीन सिंह बसगोती ने, आभार ज्ञापन दीपक जावा एवं संजय जांडवानी ने किया। संचालन मुख्य ट्रस्टी संजीव कुमार एडवोकेट ने किया।

ग्राम प्रधान ने की अनोखी पहल, क्षेत्र में बना चर्चा का विषय

ग्राम पंचायत सदस्यों, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक व सफाई मित्रों को किया सम्मानित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के भीमचंडी स्थित पंचायत भवन पर ग्राम प्रधान विजय गुप्ता के नेतृत्व में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भीमचंडी ग्राम सभा के सभी सदस्य एवं रोजगार सेवक, सफाई मित्रो ने भाग लिया। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित सभी ग्राम पंचायत सदस्यों व ग्राम रोजगार सेवक तथा सफाई मित्रो को ग्राम प्रधान विजय गुप्ता ने माला पहनाकर अंग वस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर भव्य स्वागत कर सम्मानित किया। ग्राम प्रधान ने बताया कि हमारे कार्यकाल के विगत 5 वर्षों में गांव के विकास कार्यों में मिलजुल कर कार्य करने में इन सभी लोगों का विशेष सहयोग रहा जिसकी सराहना करते हुए हार्दिक बधाई दी गयी और मिष्ठान वितरण की गयी। ग्राम प्रधान के इस अनोखे पहल को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

सम्मान समारोह के दौरान मुख्य रूप से अवधेश कुमार भारती, प्यारेलाल प्रजापति, अजय कुमार, जिलारूप, सरिता देवी, जगेश कुमार, निर्मला देवी, संगीता देवी, नीतू देवी, आरती पटेल, अनिकेत कुमार, दीनानाथ, शिवकुमार राय, जयकुमार, सीमा गुप्ता, विनोद कुमार, राजकुमार, मनोज सिंह, बुच्चन राम, अंजू देवी इत्यादि सदस्य, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक एवं सफाई मित्र उपस्थित रहे।

ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने वाले रामगंज नगर पंचायत के चेयरमैन राकेश सिंह का सम्मान

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। प्रतिभाशाली व्यक्ति समाज, कार्यस्थल और राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ होते हैं। उनकी असाधारण बौद्धिक क्षमता, नवीन सोच, और समस्याओं को सुलझाने की तीव्र क्षमता उन्हें भीड़ से अलग करती है। प्रतापगढ़ जनपद की सबसे बड़ी नगर पंचायत रामगंज के चेयरमैन राकेश सिंह एक ऐसे व्यक्तित्व का नाम है, जिन्होंने राजनीति में अपना मुकाम तो बनाया ही ग्रामीण रोजगार और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया। काफी लंबे समय तक मुंबई रहे राकेश सिंह कोरोना संक्रमण काल में गांव आए। उन्हें क्या मालूम था कि गांव का लंबा प्रवास उनके भविष्य का नया दरवाजा खोल देगा। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह के सुप्रयासों से रामगंज को नगर पंचायत का दर्जा मिला । युवा साथियों ने जोश और विश्वास पैदा किया। राकेश सिंह भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीतकर रामगंज नगर पंचायत का पहला चेयरमैन बन गए। सिर्फ चुनाव जीतना राकेश सिंह का मकसद नहीं था, उन्हें जनता के बीच कुछ ऐसे काम करने थे, जिसे जनता हमेशा याद रखती। लिहाजा नगर पंचायत विकास के साथ-साथ

उन्होंने सभी 13 वार्डों में आपसी सद्भावना, भाईचारे और समरसता की दिशा में भी काम करना शुरू किया। हिंदू और मुसलमानों के बीच लंबे समय तक पड़े विवादों का निस्तारण किया और उनके बीच प्रेम और भाईचारे का संबंध स्थापित किया। कोइरीपुर स्टेशन के प्लेटफार्म तक यात्रियों के आवागमन हेतु निजी सड़क बनवाई। 10 मार्च 2025 को उन्होंने अपने गांव मानापुर के नाम पर मानापुरी पापड़ फैक्ट्री की शुरूआत की। आज पूरे जनपद में इसकी धूम मची है। इससे महिलाओं को रोजगार मिला और कृषि उत्पादनों को बढ़ावा मिला। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के महासचिव वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, सभासद विनय पांडे, सभासद अजय कुमार सिंह, सभासद राम उजागिर सिंह, रामलीला समिति के अध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, अजय उपाध्याय, सर्वेश सिंह, मोहन सिंह, सुभाष सिंह तथा बजरंग दल के विभाग संयोजक विकास सिंह उपस्थित रहे।

मानीकलां में देर रात तक बदले गए जर्जर बिजली तार, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बादशाही उपकेंद्र से जुड़ा मानीकलां गांव में वर्षों से जर्जर तारों के सहारे हो रही बिजली आपूर्ति की समस्या आखिरकार दूर हो गई। रविवार देर रात तक पुराने व क्षतिग्रस्त तारों को बदलने का कार्य पूरा कर लिया गया। इससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

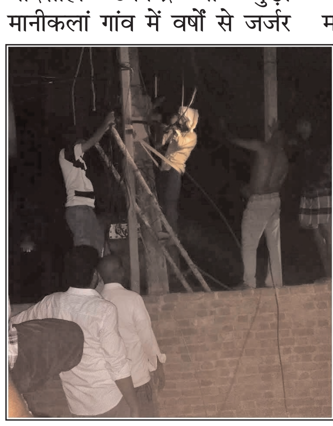

गांव के गांधी चबूतरा पर स्थापित 250 केवीए ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति लंबे समय से जर्जर तारों के माध्यम से कीजा रही थी। यह ट्रांसफार्मर बादशाही उपकेंद्र से संचालित होता है। ग्रामीणों का आरोप था कि कई बार शिकायत करने के बावजूद विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही थी।

पिछले दिनों खबर प्रकाशित हुई थी,जिसके बाद बिजली विभाग ने संज्ञान लेते हुए तार बदलने का कार्य शुरू कराया। रविवार रात करीब 12 बजे तक जर्जर तारों को हटाकर दूसरे तार लगाए गए।

तार बदलने के कार्य में लाइनमैनों के साथ ग्रामीणों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं प्रधान पद के भावी प्रत्याशी अब्दुल्लाह उर्फ डम्पी ने भी इस कार्य को पूरा कराने में सक्रिय भूमिका निभाई।

मानीकलां फीडर के प्रबंधन अरविन्द सिंह की देखरेख में पूरा कार्य संपन्न हुआ। तार बदलने के बाद ग्रामीणों ने राहत जताते हुए बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) संजय प्रजापति का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि अब बिजली आपूर्ति अधिक सुरक्षित और सुचारु रूप से हो सकेगी।

डीएम व एसपी ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के द्वारा पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को सकुशल, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु टी.डी. इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की बैठने व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रवेश प्रक्रिया का जायजा लिया गया।

जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापक को निर्देशित किया कि परीक्षा को शासन की मंशा के अनुरूप पूर्ण निष्पक्षता एवं शुचिता के साथ संपन्न कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने पुलिस अधिकारियों एवं ड्यूटी में तैनात कर्मियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्र के आसपास सतत निगरानी बनाए रखें तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु रखा जाए, जिससे अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर अतिरिक्त उप जिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

'एक शाम बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम'

- ◆ ओज, हास्य और सामाजिक चेतना से सराबोर रहा कवि सम्मेलन
- ◆ देश के विभिन्न जनपदों से पहुंचे कवियों और शायरों ने संविधान
- ◆ सामाजिक समरसता एवं मानवीय मूल्यों का दिया संदेश
- ◆ देर रात तक काव्य प्रस्तुतियों से बंधा रहा समां

सुईथाकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सामाजिक न्याय, समता और बंधुत्व के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकास खंड करौंदी कला क्षेत्र के बौद्ध विहार, अमरेमऊ के सौजन्य से ₹एक शाम बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम₹ शीर्षक से भव्य कवि सम्मेलन एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न जनपदों से आए कवियों, शायरों और बुद्धिजीवियों ने अपनी ओजस्वी वाणी से सामाजिक समरसता, संविधान और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कादीपुर विधायक राजेश गौतम एवं रामकरन गौतम रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में राम खेलावन, जयनारायण, पंचूराम तथा नंदलाल और कार्यक्रम के संरक्षक पूर्व विधायक कादीपुर भगेलू राम उपस्थित रहे। अतिथियों ने बाबा साहेब के विचारों को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए शिक्षा, सामाजिक समानता और संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण पर बल दिया।

मुख्य वक्ता डॉ. राजकरण ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संघर्षमय जीवन, भारतीय संविधान की गरिमा और सामाजिक समरसता की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संगठन और संघर्ष का मार्ग ही समाज को प्रगतिशील और समतामूलक बना सकता है।

कवि सम्मेलन के संयोजक रामसरन 'अमन सुल्तानपुरी' ने अपनी प्रभावशाली काव्य प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने संविधान और सामाजिक समानता का संदेश देते हुए अपनी चर्चित पंक्तियां– प्रतिभा किसी विशेष के हिस्से की शय नहीं, रचकर के संविधान ये सबको जता दिया। –सुनाकर खूब तालियां बटोरीं।

कवि सम्मेलन में देश के विभिन्न जनपदों से पधारे ख्यातिलब्ध कवियों एवं शायरों ने अपनी ओज, श्रृंगार, वीर, करुण एवं हास्य रस से परिपूर्ण रचनाओं की प्रस्तुति देकर देर रात तक समां बांधे रखा। मंच पर महेंद्र मृदुल, राज बनारसी, दानिश इकबाल, सुरेश अकेला, डॉ. शिवम फतेहपुरी, संदीप शरारती, फलक सुल्तानपुरी, अंकिता शुक्ला, वर्षा श्रीवास्तव, श्रेया आनंद तथा हास्य कवि समीर शुक्ला सहित अनेक रचनाकारों ने अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय चेतना, मानवीय संवेदनाओं, प्रेम, करुणा तथा समकालीन चुनौतियों को स्वर दिया। हास्य-व्यंग्य की चुटीली प्रस्तुतियों ने जहां श्रोताओं को ठहाके लगाने पर विवश किया, वहीं ओज और वीर रस से ओतप्रोत कविताओं ने उनमें उत्साह का संचार किया। प्रत्येक प्रस्तुति पर श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से कवियों का उत्साहवर्धन किया और पूरा वातावरण साहित्यिक रंग में सराबोर रहा।

कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, साहित्यप्रेमियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। श्रोताओं में अलफारूक पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य वसीम अहमद खान भी मौजूद रहे। उन्होंने ऐसे आयोजनों को सामाजिक जागरूकता, शिक्षा और साहित्यिक संस्कृति के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए आयोजन की सराहना की।

अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, कवियों, शायरों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आदर्शों पर चलकर समतामूलक, शिक्षित और संवैधानिक मूल्यों से युक्त समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया। यह आयोजन साहित्य के माध्यम से सामाजिक चेतना और संवैधानिक मूल्यों के प्रसार का एक सार्थक प्रयास साबित हुआ।

सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत

सुजानगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज मछलीशहर सड़क पर रविवार देर शाम सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जानकारी अनुसार युवक मछलीशहर से सुजानगंज की तरफ दो पहिया वाहन से आ रहा था कि दहेंव ग्राम सभा में सुजानगंज मछलीशहर रोड पर स्थित एक विद्युत पोल से टकराकर वह बुरी तरह घायल हो गया। दुर्घटना की खबर सुनते ही आसपास के लोग भारी संख्या में इकट्ठा हो गए। सूचना पाकर थाना सुजानगंज की पुलिस व डायल 108 मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल पहुंचाया गया ,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की पहचान अमरजीत उर्फ गुड्डू गौतम पुत्र राम खदेरन ग्राम टेकारडीह थाना मछली शहर के रूप में बताया गया।

पवॉरा अद्धेश्वर महादेव मंदिर पर अधिक मास से चल रहा है पूजा अर्चना, लगी भक्तों की भीड़

-विष्णु कांत मिश्रा

पवॉरा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जनपद तहसील मछली शहर पोस्ट ग्राम पवारा बाजार स्थित अद्धेश्वर महादेव मंदिर पर पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर अद्धेश्वर महादेव मंदिर पर संगीत मय सुन्दर काण्ड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन मंदिर के प्रमुख पूजारी आचार्य ज्योतिषाचार्य पंडित सुशील मिश्रा के द्वारा पुरुषोत्तम मास के अवसर पर आयोजित में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ प्रतिदिन बड़ी संख्या में भक्तों द्वारा पूजा-अर्चना किया जाता है। अधिक मास का पर्व बड़े धूमधाम एवं श्राद्धा भक्ती के साथ मनाया जाता है। यह आयोजन पंडित दिनेश तिवारी (सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी) , राजेश तिवारी के परिवार द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन हवन के साथ संपन्न होता है।अद्धेश्वर महादेव मंदिर के प्रमुख पूजारी ज्योतिषाचार्य पंडित सुशील मिश्रा ने हनुमानजी व महादेव का पूजा अर्चना करने के बाद प्रसाद का वितरण किया जाता है। पूजारी ज्योतिषाचार्य पंडित सुशील मिश्रा ने बताया कि इस मंदिर में सभी मुर्तियां अष्टधातु की है। दर्शन मात्र से ही लोगों का कल्याण हो जाता है।

जनहित और न्याय की लड़ाई में सदैव अग्रणी रहे : मुजफ्फर हुसैन

मीरा-भयंदर के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर किया कार्य : राकेश राजपुरोहित

मीरा-भायंदर। मीरा-भायंदर (शहर) जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष राकेश राजपुरोहित का पदभार ग्रहण समारोह मेवाड़ वाटिका, मीरा रोड (पूर्व) में भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकताओं, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। समारोह में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आनंद सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि वरिष्ठ नेता मुजफ्फर हुसैन ने मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। हाल ही में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किए गए राकेश राजपुरोहित क्षेत्र में जलापूर्ति की समस्या को लेकर किए गए जनआंदोलन के कारण चर्चा में रहे हैं। आम नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर किए गए इस आंदोलन के दौरान उनके विरुद्ध मामला भी दर्ज किया गया था।

मार्गदर्शक मुजफ्फर हुसैन ने राकेश राजपुरोहित को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों में चुनौतियां और विरोध स्वाभाविक हैं, लेकिन ऐसे संघर्ष ही एक सच्चे जनसेवक की पहचान बनते हैं। जनता के अधिकारों के लिए लड़ते हुए मिलने वाली कठिनाइयों को सम्मान और उपलब्धि के प्रतीक के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

मुख्य अतिथि आनंद सिंह ने अपने संबोधन में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कार्यकताओं से जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाकर उनके समाधान के लिए निरंतर संघर्ष करना होगा।

अपने अध्यक्षीय भाषण में राकेश राजपुरोहित ने कहा कि वे पद मिलने के बाद भी स्वयं को जनता का कार्यकर्ता ही मानते हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि मीरा-भयंदर की प्रत्येक समस्या के समाधान के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे तथा समाज और जनहित से जुड़े विकासात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने में सदैव अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता भंवरसिंह राजपुरोहित, नगरसेवक जय ठाकुर, पूर्व शहर अध्यक्ष प्रमोद सावंत, नगरसेवक अनिल सावंत, पूर्व शहर अध्यक्ष झुबेर इनामदार एवं कांग्रेस नेता हीरा देवसी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वहीं नगरसेवक आफरीन सय्यद, रिजवाना अनवर, तारेन मेंडोन्सा, सुनील चौधरी, रुबिना शेख, शेख फिरोज, सना देशमुख, अशरफ मिस्त्री, रफिक पठाण और आयरिन पॉल कॉड्रस सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। मंच पर दिनेश चंद्र उपाध्याय (एम.टेक.), जगदीश पुरोहित बसंत (आदर्श होटल्स परिवार), अर्जुनसिंह तिंवरी (अध्यक्ष, राजपुरोहित समृद्धि फाउंडेशन), चंदनसिंह राजपुरोहित (काँग्रेस नेता), महेंद्र सिंह चौहान, सिद्धेश राणे, दीपक बागरी, कुणाल काटकर, जवाहर शाह, सोहन जैन, अजय सिंह तथा राजीव दोशी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन राहुल पारीख (राजस्थान उद्घोष) ने किया।

राकेश राजपुरोहित का परिवार तीन पीढ़ियों से कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ा रहा है। राजस्थान के पाली जिले के बड़वा गांव से मूल संबंध रखने वाले राजपुरोहित ने मीरा-भयंदर की धरती के प्रति अपने आत्मीय जुड़ाव को दशार्ते हुए संबोधन की शुरूआत मराठी भाषा में की, जिसे उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तालियों के साथ सराहा। समारोह की एक विशेषता समाज के सभी वर्गों, समुदायों और धर्मों के लोगों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। राजस्थान की समस्त 36 कौमों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में समाजजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में सामाजिक समरसता, भाईचारे और विविधता में एकता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को निर्विरोध चेयरमैन चुना गया

-आदेश मिश्र

मुंबई। घाटकोपर के अमृतनगर स्थित रेखा अपार्टमेंट को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी की वार्षिक आम सभा (AGM) में सर्वसम्मति से पुरानी प्रबंधन समिति को भंग कर नई प्रबंधन समिति का गठन किया गया। नवगठित समिति वर्ष 2026 से 2029 तक सोसाइटी के संचालन, रखरखाव एवं विकास कार्यों की जिम्मेदारी संभालेगी। रविवार को नई प्रबंधन समिति में प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू को निर्विरोध चेयरमैन चुना गया। वहीं मसुरेकर को सेक्रेटरी तथा सुनील सीतप को ट्रेजरर नियुक्त किया गया। इसके अलावा सचिन शुक्ल, राम चौहान, जयेश एवं हरीश अमृतकर को समिति सदस्य के रूप में चुना गया है। सोसाइटी के सदस्यों ने नवगठित समिति को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सफल, पारदर्शी एवं जनहितकारी कार्यकाल की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन कोयले, पूर्व सेक्रेटरी संजय दुचाले के कार्यकाल में सोसाइटी के विकास और सुचारु संचालन में दिए गए योगदान के लिए उनका विशेष आभार व्यक्त किया गया। वहीं वार्षिक सभा (AGM) में उपस्थित सदस्यों ने उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभा के दौरान नव निर्वाचित चेयरमैन प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू का विजय मालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया गया। नई जिम्मेदारी मिलने पर सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए सोसाइटी के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा व्यक्त की।

कुर्मी जोड़ो अभियान शुभारंभ कार्यक्रम का कर्जत में भव्य समारोह सम्पन्न

मुंबई। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा महाराष्ट्र प्रदेश का कुर्मी जोड़ो अभियान शुभारंभ कार्यक्रम प्रातः १० बजे सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम हमारे हिंदू कुर्मी क्षत्रिय बंधुओं को इस समाज से जोड़ने का कार्य कर रही है। यह कार्यक्रम हमें एक साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। इस कार्यक्रम के आयोजक प्रमुख कार्यकारी एवं समाजसेवी संजय पाटिल (प्रदेश अध्यक्ष), जयेश शेलार पाटील (प्रदेश महासचिव), एडवोकेट भारती ढाकवल (महिला अध्यक्ष) है। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि एल.पी. पटेल (राष्ट्रीय अध्यक्ष, महासभा), रामखेलावन पटेल (मंत्री मध्यप्रदेश), धनंजयभाई वर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्योग महासभा), सी. जे. पटेल (निवृत्त जिल्हाधिकारी, गुजरात), व्रज पटेल (IAS कॅडमी) डॉ सचिन सिंग (युवा उपाध्यक्ष कुर्मी महासभा) एवं कपिल सिग भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में स्वर्गीय डॉ बाबूलाल सिंह के नाम का स्मृति चिन्ह एल.पी. पटेल को देकर सम्मानित किया गया। डॉ बाबूलाल सिंह की यादें हमेशा हमारे दिलों में पूरे कुर्मी समाज मे जागती रहेगी। यह कार्यक्रम बड़े हर्षौल्लास के साथ संपन्न किया गया। यहाँ मौजूद समस्त कुर्मी समाजसेवी कार्यक्रम का आनंद उठाये एवं कदम से कदम आगे बढ़ने की प्रेरणा भी लिए।

इंडियास बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स 2026 के लिए नामांकन शुरू

मुंबई। शिव नाडर फाउंडेशन और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सईद बिजनेस स्कूल ने मिलकर ' इंडियास बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स के पहले संस्करण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पहल का मकसद देशभर में कक्षा 9 से 12 तक पढ़ाने वाले प्रेरणादायी और बेहतरीन शिक्षकों को सम्मानित करना है।

सरकारी और निजी स्कूलों के प्राचार्य तथा स्कूल प्रमुख 31 जुलाई 2026 तक अपने विद्यालय के योग्य शिक्षकों के नाम भेज सकते हैं। चुने गए शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा और उन्हें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सईद बिजनेस स्कूल में एक हफ्ते के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च आयोजकों की तरफ से उठाया जाएगा। भारत में 14 लाख से ज्यादा स्कूल हैं, जहाँ करीब 98 लाख शिक्षक 24 करोड़ से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा दे रहे हैं। अलग-अलग हालात और चुनौतियों के बीच काम करते हुए शिक्षक बच्चों का भविष्य संवारने में अहम भूमिका निभाते हैं। आज के दौर में शिक्षक केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं। वे विद्यार्थियों में सोचने-समझने की क्षमता, नई चीजें सीखने की जिज्ञासा, रचनात्मकता और ज़िंदगी की असली चुनौतियों का सामना करने का हौसला भी जगाते हैं। ऐसे में बेहतरीन शिक्षकों के योगदान को पहचानना और सम्मानित करना बेहद जरूरी है। इस पुरस्कार के जरिये उन शिक्षकों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की कोशिश है जिन्होंने अपने काम से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बेहतर की, उन्हें प्रेरित किया और अपने स्कूलों में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दिया। यह पुरस्कार भूगोल, व्यवसाय अध्ययन एवं उद्यमिता, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, भौतिकी, अंग्रेजी, पर्यावरण विज्ञान और गणित विषयों के शिक्षकों के लिए है। चयन प्रक्रिया में शिक्षकों के विषय ज्ञान, पढ़ाने के नए और असरदार तरीकों, विद्यार्थियों पर उनके प्रभाव तथा विद्यालय और समाज में उनकी भूमिका को ध्यान में रखा जाएगा। पुरस्कार विजेता शिक्षकों को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक हफ्ते के विशेष कार्यक्रम में बुलाया जाएगा, जहाँ वे शिक्षा, नेतृत्व और नवाचार से जुड़े वैश्विक अनुभवों से सीख सकेंगे और देश-विदेश के विशेषज्ञों व अन्य शिक्षकों के साथ विचार साझा कर सकेंगे। अंतिम चरण के लिए चुने गए शिक्षकों को 4 और 5 सितंबर 2026 को शिव नाडर विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित चयन प्रक्रिया में बुलाया जाएगा। स्कूल प्राचार्य पुरस्कार पोर्टल के जरिये अपने शिक्षकों के नामांकन भेज सकते हैं- https://indiateacher-awards.evalato.com/

उमरगांव विधान मंडल में धूमधाम से मनाया गया बाटी-चोखा कार्यक्रम

उमरगांव। उत्तर यादव युवा संघ गुजरात प्रदेश अंतर्गत उमरगांव विधान मंडल में बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ बाटी-चोखा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर यादव युवा संघ के सलाहकार एवं उद्योगपति नंदलाल यादव ने की।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में उत्तर यादव युवा संघ गुजरात प्रदेश अध्यक्ष हरिराम यादव उपस्थित रहे। इस अवसर पर महासचिव प्रदीप यादव, गुजरात प्रदेश उपाध्यक्ष पारस यादव, सलाहकार लालजी यादव, दमन प्रदेश उपाध्यक्ष सरवन यादव सहित उमरगांव विधान मंडल की पूरी टीम मौजूद रही, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उमरगांव विधान मंडल अध्यक्ष सुभाष यादव, मनीराम यादव, आर.के. यादव, रमाशंकर यादव, पहलवान राजेश यादव, यादव युवा जन सेवा समिति के महामंत्री लालजी उर्फ हनुमान यादव एवं उत्तर यादव युवा संघ के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने पारंपरिक बाटी-चोखा का आनंद लिया और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया। राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने उमरगांव अध्यक्ष सुभाष यादव की सराहना करते हुए कहा कि सुभाष यादव समाज हित में समय-समय पर कार्य करते रहते हैं तथा समाज के हर दुख-सुख में 24 घंटे लोगों के साथ खड़े रहते हैं। सभा के अंत में उमरगांव विधान मंडल अध्यक्ष सुभाष यादव ने उपस्थित सभी समाजबंधुओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

पुश्तैनी जमीन के विवाद में घर में घुसकर मारपीट, जान से मारने की धमकी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम उसैनाबाद में पुश्तैनी जमीन के विवाद को लेकर दबंगों द्वारा एक परिवार पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित रामजीत (पुत्र सुदीन) ने कोतवाली प्रभारी को तहरीर देकर सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामजीत अपनी पुश्तैनी आबादी की भूमि पर साफ-सफाई कर रहे थे, तभी उनके पड़ोसी दबंग आधा दर्जन की संख्या में लाठी-डंडा, हँसुआ और टांगी लेकर वहां पहुंच गए। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए रामजीत के घर पर धावा बोल दिया। आरोप है कि दबंगों ने घर में घुसकर रामजीत, उनकी पत्नी और वृद्ध पुत्रवधू की बेरहमी से पिटाई की और मौके पर रखे मड़हे व लकड़ियों को उजाड़ दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने जमीन पर जबरन कब्जा करने और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित द्वारा 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना तेजीबाजार पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को रसिकापुर चौराहे से गिरफ्तार कर उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष तेजीबाजार सत्येंद्र भाई पटेल के नेतृत्व में उपनिरीक्षक ओंकारनाथ सिंह एवं पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, थाना तेजीबाजार में दर्ज मुकदमा संख्या 112/2026 के तहत नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में वांछित मदन लोना (40 वर्ष) पुत्र राम वरन लोना निवासी ग्राम घरवासपुर, थाना तेजीबाजार को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(1), 74 तथा पोक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक ओंकारनाथ सिंह, हेड कांस्टेबल सतीश सिंह एवं कांस्टेबल पंकज यादव शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सड़क सुरक्षा के महा-अभियान 'राहवीर' के लिए रैपिडो और MoRTH आए साथ

मुंबई/नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े और सबसे किफायती वन-स्टॉप मोबिलिटी प्लेटफॉर्म, रॉपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (रैपिडो) ने आज सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया है। इस ऐतिहासिक तालमेल का मकसद भारत सरकार की फ्लैगशिप 'राहवीर योजना' को लेकर देशव्यापी अलख जगाना और जन-भागीदारी को बढ़ाना है। यह योजना सड़क हादसों के शिकार लोगों को 'गोल्डन ऑवर' (दुर्घटना के बाद का पहला कीमती घंटा) के भीतर तुरंत जीवनरक्षक मदद पहुँचाने के लिए प्रेरित करती है। इस साझेदारी की आधिकारिक घोषणा माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी, रैपिडो के को-फाउंडर, अरविंद संका, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों (जिसमें सचिव और अतिरिक्त सचिव, MoRTH शामिल हैं) और रैपिडो के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में की गई। इस मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने कहाः सड़क सुरक्षा सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि हम सबकी साझी जिम्मेदारी है और सड़कों पर जान बचाने के लिए नागरिकों का आगे आना सबसे अहम है। 'राहवीर योजना' का मकसद ही लोगों के मन से झिझक को मिटाना है ताकि वे 'गोल्डन ऑवर' में बिना डरे दुर्घटना पीड़ितों की मदद कर सकें। मैं रैपिडो की सराहना करता हूँ कि उन्होंने इस बड़े राष्ट्रीय मिशन को गति देने के लिए अपने विशाल कैप्टन नेटवर्क और तकनीक को मैदान में उतारा है। साझेदारी पर बोलते हुए, रैपिडो के को-फाउंडर, अरविंद संका / ऋषिकेश एसआर ने कहाः देश के छोटे-बड़े शहरों में हर दिन लाखों भारतीय हमारे रैपिडो कैप्टन्स से जुड़ते हैं। यह नेटवर्क हमें सिर्फ सफर तय करने से कहीं आगे बढ़कर, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर एक बड़ा बदलाव लाने की ताकत देता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) के साथ जुड़कर 'राहवीर योजना' को घर-घर पहुँचाने पर हमें गर्व है। हमारे कैप्टन समुदाय का यह अभूतपूर्व जज्बा और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की यह ऐतिहासिक कामयाबी साफ दिखाती है कि हम सड़कों को सुरक्षित बनाने और आपातकाल में जिम्मेदारी से कदम उठाने के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के प्राचार्य बनने पर प्रो. अजय कुमार वर्मा का भव्य स्वागत

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील शाहगंज क्षेत्र के शाहाबाद गैरवां निवासी एवं मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के हड्डी रोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक प्रो. अजय कुमार वर्मा के मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य पद पर चयन होने से जनपद जौनपुर का गौरव बढ़ा है। उनके गृह क्षेत्र में प्रथम आगमन पर रविवार देर शाम शाहगंज के जेसीज चौक पर भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नैय्यरे आजम के नेतृत्व में चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोगों ने प्रो. वर्मा का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। स्वागत समारोह में परवेज आलम भुट्टो, नसीर आजम, शहर इजदी, डॉ. इमरान आजमी, हसीब अहमद, सैय्यद शाहबान, सज्जाद शहबान, आदिल शेख, अतुल, अमन, बृजेश सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि प्रो. अजय कुमार वर्मा की उपलब्धि न केवल जौनपुर बल्कि पूरे पूर्वांचल के लिए गर्व का विषय है। उनके नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उक्त अवसर पर प्रो. अजय कुमार वर्मा ने कहा की यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि मेरे परिवार, शिक्षकों और जनपद जौनपुर के सभी शुभचिंतकों का है। मैं अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करते हुए चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने का प्रयास करूंगा। वहीं डॉक्टर नैय्यरे आजम ने कहा की प्रो. अजय कुमार वर्मा का प्राचार्य पद पर चयन पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उनकी उपलब्धि युवा चिकित्सकों के लिए प्रेरणा है और हमें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में संस्थान नई सफलताएं हासिल करेगा।

एस्कोलाइट ने अगली पीढ़ी के कंस्ट्रक्शन समाधान पेश किए

मुंबई। अश्वानी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की कंपनी 'एस्कोलाइट' जो एडवांस्ड कंस्ट्रक्शन ब्लॉक और कंस्ट्रक्शन केमिकल बनाने वाली एक प्रमुख कंपनी है - ने 'वर्ल्ड ऑफ कंक्रीट इंडिया 2026' के 12वें एडिशन में हिस्सा लिया। यह भारत में कंक्रीट और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के लिए आयोजित होने वाली सबसे बड़ी प्रदर्शनी है। यह इवेंट 3 से 5 जून 2026 तक आयोजित किया गया था। इसमें दुनिया भर से 300 से ज्यादा एग्ज़िबिटर्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स, आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स, बिल्डर्स, कॉन्ट्रैक्टर्स, कंसल्टेंट्स और प्रोजेक्ट मैनेजर्स शामिल हुए, ताकि कंस्ट्रक्शन के भविष्य को आकार देने वाली नई तकनीकों और बदलावों को दिखाया जा सके। एग्ज़िबिशन में, एस्कोलाइट ने कंस्ट्रक्शन और बिल्डिंग से जुड़े अपने सभी तरह के सॉल्यूशन्स का प्रदर्शन किया। इसके लिए दिलचस्प लाइव डेमो और इंटरैक्टिव 'टच-एंड-फील' अनुभव का सहारा लिया गया, ताकि विज़िटर्स को प्रोडक्ट्स की परफॉर्मेंस और उनके बेहतरीन इस्तेमाल के बारे में प्रैक्टिकल जानकारी मिल सके। एस्कोलाइट के पवेलियन में आने वाले विज़िटर्स को कंपनी के मुख्य प्रोडक्ट्स को जानने का मौका मिला, जिनमें वॉलिंग सॉल्यूशन्स, वॉटरप्रूफिंग सिस्टम्स, टाइल और स्टोन इंस्टॉलेशन सॉल्यूशन्स, स्ट्रक्चरल रिपेयर सॉल्यूशन्स और प्रोटेक्टिव कोटिंग्स शामिल थे। लाइव एप्लीकेशन डिस्प्ले और फिजिकल मॉक-अप के जरिए, Ascolite का मकसद सिर्फ.प्रोडक्ट्स दिखाना नहीं, बल्कि ऐसे पूरे सॉल्यूशन्स दिखाना था जो मॉडर्न कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं। कंपनी की भागीदारी के बारे में बात करते हुए, अश्वानी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (Ascolite) के मैनेजिंग डायरेक्टर नवीन अश्वानी ने कहा, वर्ल्ड ऑफ कंक्रीट इंडिया ने इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को एक साथ आने, विचारों का आदान-प्रदान करने और कंस्ट्रक्शन सेक्टर को आगे बढ़ाने वाले नए इनोवेशन को जानने-समझने का बेहतरीन मंच दिया। एस्कोलाइट की भागीदारी ने हाई-परफॉर्मेंस, भरोसेमंद और टिकाऊ कंस्ट्रक्शन समाधान देने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाया, जो ग्राहकों और पूरे कंस्ट्रक्शन इकोसिस्टम के लिए लंबे समय तक चलने वाली वैल्यू बनाते हैं। कंपनी ने इंडस्ट्री के प्रोफेशनल्स के साथ बातचीत की और ऐसे समाधान पेश किए जो क्वालिटी कंस्ट्रक्शन और भविष्य के लिए तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देते हैं।

विश्व साइकिल दिवस 2026 ने मुंबई में फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सक्रिय जीवनशैली के लिए एक सशक्त जनआंदोलन को दी नई दिशा

मुंबई। फिटनेस, एकता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, मुंबई के प्रतिष्ठित वर्ली सी फेसझकोस्टल रोड पर हजारों साइक्लिंग प्रेमी, फिटनेस समर्थक, युवा, परिवार और नागरिक विश्व साइकिल दिवस 2026 के अवसर पर एकत्र हुए। इस भव्य आयोजन का आयोजन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के प्रमुख अभियान फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध गायिका, सामाजिक कार्यकर्ता एवं परोपकारी श्रीमती अमृता फडणवीस, जाने-माने अभिनेता एवं पर्यावरण संरक्षण के समर्थक जैकी श्रॉफ, फिट इंडिया एम्बेसडर एवं हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट की यूथ प्रोग्राम्स निदेशक डॉ. निवेदिता श्रेयंस, अभिनेता एवं युवा आइकन ताहा शाह बदुशा, तथा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय निदेशक पांडुरंग चाटे की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनकी सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। डॉ. निवेदिता श्रेयंस ने इस अवसर पर फिट इंडिया एम्बेसडर के रूप में सहभागिता की। साथ ही उन्होंने हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट और पिल्लई यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व किया। सभा को संबोधित करते हुए सभी विशिष्ट अतिथियों ने दैनिक जीवन में फिटनेस को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया तथा नागरिकों को स्वास्थ्य, पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक कल्याण के लिए साइकिलिंग को एक सरल लेकिन प्रभावशाली माध्यम के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

यह आयोजन केवल एक साइक्लिंग कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामूहिक प्रयास और सामुदायिक भावना का उत्सव बन गया। विभिन्न आयु वर्गों, पेशों और पृष्ठभूमियों से आए लोगों ने एक स्वस्थ भारत के निर्माण के साझा उद्देश्य के साथ इसमें भागीदारी की खेल, स्वास्थ्य, मनोरंजन और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम के प्रभाव को और अधिक व्यापक बनाया तथा हजारों युवाओं को यह संदेश दिया कि फिटनेस केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। इस अवसर पर स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, मुंबई के अधिकारियों ने कहा कि विश्व साइकिल दिवस और संडेज ऑन साइकिल जैसी पहलें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जिसके तहत फिटनेस को एक राष्ट्रीय जनआंदोलन और जनभागीदारी का अभियान बनाया जा रहा है। अपने संबोधन में डॉ. निवेदिता श्रेयंस ने सतत परिवहन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि साइकिलिंग एक ऐसा व्यावहारिक समाधान है जो व्यक्ति के स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी है।

गढ्ढे में डूबने से वृद्ध की मौत, मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में मचा कोहराम

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत परासिन गांव में सड़क किनारे गढ्ढे में पेशाब करने के दौरान अनियंत्रित होकर गिरने से एक वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बीबीगंज चौकी क्षेत्र के परासिन गांव निवासी 70 वर्षीय राम नारायन प्रजापति पुत्र सियम्बर प्रजापति रविवार की देर शाम अपने घर के सामने सड़क पार कर पेशाब करने गए हुए थे। पेशाब करने के दौरान राम नारायन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी भरें गढ्ढे में गिर गये।जब देर हुआ तो परिजनों ने खोजबीन शुरू किया। तो देखा कि औंधे मुंह गढ्ढे में पड़े हुए हैं बाहर निकला गया।

.तब तक मौत हो चुकी थी। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे

वाराणसी में हाई अलर्ट, केंद्रों पर कमिश्नर-डीएम ने संभाली कमान, किया संयुक्त निरीक्षण

*भर्ती परीक्षा में सेंध की हर कोशिश होगी नाकाम
*बायोमेट्रिक सत्यापन से लेकर सुरक्षा तक की समीक्षा
*कहा, परीक्षा में पारदर्शिता सर्वोपरि, हर अभ्यर्थी की होगी सघन जांच, परीक्षा केंद्रों के बाहर भी सुरक्षा का कड़ा पहरा
*नकल माफियाओं पर विशेष निगरानी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बना दिया है। सोमवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नदेसर स्थित कटिंग मेमोरियल इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा संचालन और अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक परीक्षार्थी को पहचान पत्र, बायोमेट्रिक

सत्यापन और गहन तलाशी के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाए, ताकि परीक्षा की शुचिता और विश्वसनीयता बनी रहे।

10 वर्षों से सक्रिय नकल गिरोहों पर नजर

पुलिस आयुक्त ने बताया कि पिछले दस वर्षों के दौरान नकल कराने या परीक्षा में गड़बड़ी फैलाने में संलिप्त रहे व्यक्तियों और गिरोहों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। परीक्षा केंद्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों, अनावश्यक भीड़ और बाहरी तत्वों पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

अभ्यर्थियों की सुविधा भी प्राथमिकता

निरीक्षण के दौरान पेयजल, शौचालय, प्रतीक्षा कक्ष और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए और परीक्षा केंद्रों पर अनुशासित वातावरण बना रहे।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि नकल, अनुचित साधनों के प्रयोग अथवा किसी भी अवांछनीय गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए प्रभावी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने समस्त पुलिस बल को पूरी सतर्कता, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय) शिवहरी मीणा, पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन प्रमोद कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

मुंबई में पूर्व मंत्री ठाकुर मूलचंद चौहान का भव्य स्वागत

मुंबई। मुंबई आगमन पर उत्तर प्रदेश के पूर्व पर्यटन एवं खनन मंत्री, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा धामपुर विधानसभा के पूर्व विधायक ठाकुर मूलचंद चौहान का विभिन्न सामाजिक, व्यावसायिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, द बॉम्बे बेकर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नासिर अंसारी, ईगल ग्रुप के चेयरमैन शाकिर अंसारी, फिल्म एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर रिजवान अंसारी, सालाराबाद (बिजनौर) के सरपंच दिव्यम राणा, तथा द बॉम्बे बेकर्स एसोसिएशन के सदस्य इस्माइल अंसारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के दौरान देशहित, सामाजिक विकास, संगठन की मजबूती, जनकल्याण से जुड़े मुद्दों तथा वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी उपस्थित लोगों ने ठाकुर मूलचंद चौहान के अनुभवों और विचारों को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके साथ सार्थक संवाद किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने ठाकुर मूलचंद चौहान का मुंबई में स्वागत करते हुए उनके स्वस्थ एवं सफल भविष्य की कामना की तथा देश और समाज के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

टीजी20 ऑक्शन में वाराणसी के हरिओम सिंह की एंट्री

वाराणसी। क्रिकेट नगरी के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहे वाराणसी के लिए एक और गौरवपूर्ण खबर आई है। शहर की प्रतिष्ठित जाहिद क्रिकेट एकेडमी के प्रतिभाशाली क्रिकेटर हरिओम सिंह को टीजी20 (तेलंगाना टी-20 लीग) के पहले प्लेयर ऑक्शन में मेदक फाल्कन्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। इस उपलब्धि से वाराणसी के क्रिकेट जगत में उत्साह की लहर दौड़ गई है।

हरिओम सिंह ने स्थानीय क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर अपनी अलग पहचान बनाई है। तेलंगाना की ए-डिवीजन लीग में उनके दमदार खेल ने फ्रेंचाइजी चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया और आखिरकार उन्हें टी-20 लीग के बड़े मंच पर मौका मिल गया। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि हरिओम के लिए यह चयन उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है। इस लीग की खास बात यह है कि हरिओम अब भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे और आईपीएल के चर्चित बल्लेबाज तिलक वर्मा के साथ एक ही टीम में खेलते नजर आएंगे। ऑक्शन के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल तिलक वर्मा के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और मैदान पर उनके अनुभवों से सीखना हरिओम के लिए बड़ा अवसर माना जा रहा है।

जाहिद क्रिकेट एकेडमी के कोच जाहिद और अमित उपाध्याय ने बताया कि हरिओम ने अपनी मेहनत, फिटनेस और निरंतर प्रदर्शन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उनका चयन न केवल खिलाड़ी की व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि वाराणसी क्रिकेट के लिए भी बड़ी उपलब्धि है।

हरिओम की इस सफलता से शहर के युवा क्रिकेटरों में नया जोश देखने को मिल रहा है। खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि वह टीजी20 में शानदार प्रदर्शन कर वाराणसी का नाम राष्ट्रीय क्रिकेट मंच पर और ऊंचा करेंगे।

तपती सड़कों पर राहत की धार : मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने लगवाए वाटर कूलर

वाराणसी। पूर्वांचल में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच आमजन को राहत पहुंचाने की पहल करते हुए प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने सोमवार को अपने उत्तरी विधानसभा क्षेत्र में निःशुल्क वाटर कूलरों का वितरण किया। मंत्री की इस पहल से शहर के कई प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों और चौराहों पर राहगीरों, श्रद्धालुओं तथा स्थानीय नागरिकों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

गर्मी के इस कठिन दौर में जब दोपहर के समय सड़कों पर निकलना भी चुनौती बन गया है, तब लोगों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराना राहत का बड़ा माध्यम माना जा रहा है। इसी उद्देश्य से मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने अपने क्षेत्रीय कार्यालय से विभिन्न स्थानों के लिए वाटर कूलर उपलब्ध कराए और संबंधित समितियों व स्थानीय प्रतिनिधियों को उन्हें शीघ्र स्थापित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने का दायित्व केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की दैनिक आवश्यकताओं और उनकी सुविधाओं का भी ध्यान रखना उतना ही आवश्यक है। गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सबसे बड़ी जरूरत बन जाती है। ऐसे में यह प्रयास लोगों को राहत देने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने का भी माध्यम है।

इन प्रमुख स्थानों पर लगेंगे वाटर कूलर

मंत्री द्वारा जिन स्थानों पर वाटर कूलर उपलब्ध कराए गए, उनमें राम जानकी मंदिर शिवपुर, रामलीला मैदान चौकाघाट, सारंग चौराहा, आशापुर चौराहा, सेंट्रल बैंक बड़ी बाजार, शैलपुत्री तिराहा स्थित हनुमान मंदिर, पंचकोसी चौराहा तथा जलालीपुरा स्थित शंभो माता मंदिर प्रमुख हैं। इन स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। वाटर कूलर लगने के बाद राहगीरों, व्यापारियों, श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को सीधे लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की प्रेरणा से सरकार जनकल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना ही सुशासन का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में एक गिलास ठंडा पानी भी किसी जरूरतमंद के लिए बड़ी राहत बन सकता है और इसी भावना के साथ यह अभियान चलाया जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की रही मौजूदगी

इस अवसर पर डीसीएफ चेयरमैन राकेश सिंह अलगू, पूर्व मंडल अध्यक्ष सिद्धनाथ शर्मा, अजीत सिंह, कमलेश सोनकर, मंडल अध्यक्ष मनोज सोनकर, दिलीप चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्षद और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पार्षद अशोक मौर्या, संजय जायसवाल, बृजेश श्रीवास्तव, सुशील गुप्ता, संदीप रघुवंशी, बलिराम कन्नौजिया, अभय पांडे, राजेंद्र मौर्या, राजेंद्र यादव, रिंकू मौर्य, जितेंद्र कुशवाहा समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।

जनसेवा की मिसाल बनी पहल

गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल की व्यवस्था को स्थानीय लोगों ने सराहनीय कदम बताया है। लोगों का मानना है कि इससे हजारों राहगीरों और जरूरतमंद नागरिकों को प्रतिदिन राहत मिलेगी। जनसहभागिता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से जुड़ी यह पहल वाराणसी में जनसेवा का एक सकारात्मक उदाहरण बनकर सामने आई है।

धन्नेपुर चौराहे पर ट्रकों पर पथराव, चालक से मारपीट, एक नामजद समेत चार पर मुकदमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के धन्नेपुर चौराहे के पास ट्रकों पर पथराव कर चालक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शाहगंज थाना क्षेत्र के चकेसर गांव निवासी मोहम्मद सलमान ने लाइन बाजार थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह शनिवार रात अपनी दो ट्रकों के साथ शाहगंज से जौनपुर की ओर आ रहे थे। रात करीब 11:30 बजे जब दोनों ट्रक धन्नेपुर चौराहे के पास पहुंचे, तभी चार युवकों ने ईंट-पत्थर फेंककर ट्रकों के शीशे तोड़ दिए। पीड़ित के अनुसार ट्रकों को सड़क किनारे रोकने पर आरोपित युवकों ने चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो हमलावर वहां से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर किशन नामक युवक सहित तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला की मौत पर जिला अस्पताल में हंगामा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला चिकित्सालय में सोमवार दोपहर 25 वर्षीया रिंकी देवी की उपचार के दौरान मौत हो गई। रिंकी गौरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के नरेंद्रपुर गांव की निवासी थीं और रोहित की पत्नी थीं। परिजनों के अनुसार, एक सप्ताह पूर्व रिंकी का एक निजी अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई। हालत गंभीर होने पर परिवार पहले उन्हें एक अन्य निजी अस्पताल ले गया और बाद में रविवार शाम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए आरोप लगाया कि समय पर ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण उनकी जान चली गई। घटना के दौरान अस्पताल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया है। चिकित्सकों के मुताबिक, महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें वाराणसी स्थित ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया था। डॉक्टरों का कहना है कि मृतका के पिता जियालाल ने वाराणसी ले जाने में असमर्थता जताई थी। उन्होंने रेफरल पत्र पर लिखित रूप से यह भी दर्ज किया कि वे मरीज को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर नहीं ले जा सकते। चिकित्सकों ने उन्हें समझाया था कि बेहतर उपचार के लिए वाराणसी ले जाना जरूरी है, लेकिन परिजन इसके लिए तैयार नहीं हुए। सोमवार को उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने विरोध जताया और कुछ समय तक हंगामा किया। बाद में वे शव लेकर अपने घर चले गए।

पांच लाख के लिए नवविवाहिता को उतारा मौत के घाट, लाश कुएं में फेंकी

दोषी पति को 10 साल की जेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पैसे की हवस और लालच जब इंसान को अंधा बना देती है, तो रिश्ते ही जल्लाद बन जाते हैं। ऐसा ही एक रूह कंपा देने वाला मामला रामपुर थाना क्षेत्र के भिऊरा गांव से सामने आया है, जहाँ एक मासूम विवाहिता को सिर्फ इसलिए अपनी जान गंवानी पड़ी क्योंकि उसका मायका दहेज के 'दानवों' की 5 लाख रुपये की डिमांड पूरी नहीं कर सका। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रशांत कुमार सिंह की अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोषी पति दिनेश पटेल को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 55,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है, जिसकी आधी राशि बिलखती माँ को दी जाएगी। मड़ियाहूं के बारी गांव की रहने वाली बदहवास माँ कमलावती ने अपनी बेटी रेनू की डोली 21 नवंबर 2017 को दिनेश पटेल के घर बड़े अरमानों के साथ भेजी थी। माँ ने अपनी हैसियत से बढ़कर दान-दहेज दिया, लेकिन उसे क्या पता था कि वह अपनी लाडली को ससुराल नहीं, बल्कि सीधे मौत के कुएं में धकेल रही है। शादी के कुछ दिन बीतते ही पति दिनेश और दोनों जेठानियों के सिर पर 5 लाख रुपये कैश का भूत सवार हो गया। रेनू को दिन-रात नरकीय यातनाएं दी जाने लगीं, उसे मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ा गया। 4 मार्च 2020 की सुबह करीब 7:00 बजे जब मायके वालों के फोन की घंटी बजी, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। गांव के एक शख्स ने कांपती आवाज में बताया – ₹आपकी बेटी को ससुराल वालों ने जान से मार डाला है और उसकी लाश को कुएं में फेंक दिया है! खबर सुनते ही बदहवास मायके वाले जब चीखते-चिल्लाते रेनू के ससुराल पहुंचे, तो वहां सन्नाटा पसरा था। सारे कसाई ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हो चुके थे। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस आई थी और कुएं की गहराइयों से रेनू की लाश को बाहर निकालकर ले गई है। जब माँ ने थाने में अपनी बेटी के शव को देखा, तो उसकी रूह कांप गई। रेनू के गले पर काले रंग का गहरा और खौफनाक निशान था, जो चीख-चीख कर गवाही दे रहा था कि मरने से पहले उसने अपनी जिंदगी के लिए कितना संघर्ष किया होगा। दरिंदे ने पहले उसका गला घोंटा और फिर सबूत मिटाने के लिए उसे कुएं में फेंक दिया। रामपुर पुलिस ने इस मामले की गहन तफ्तीश कर कोर्ट में पुख्ता आरोप पत्र दाखिल किया। अदालत के कटघरे में जब सरकारी वकील ने एक के बाद एक अचूक गवाहों को पेश किया, तो आरोपी पति के सारे बहाने धरे के धरे रह गए। दोनो पक्षों की रोंगटे खड़े कर देने वाली दलीलों को सुनने के बाद, कोर्ट ने पति दिनेश पटेल को इस जघन्य अपराध का मुख्य गुनहगार पाया और उसे सलाखों के पीछे भेजकर इंसाफ की एक नई मिसाल पेश की।

विशेष स्वच्छता अभियान के तहत गांवों में चला जनजागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद में 8 जून से 14 जून 2026 तक संचालित ₹विशेष जन सम्पर्क एवं जन जागरूकता अभियान₹ के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा की बैठकें आयोजित कर मलिन बस्तियों में संवाद, ₹सरकार आपके द्वार₹ स्वरूप जन समस्या समाधान शिविर तथा स्वच्छता संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसके साथ ही सर्वाधिक अस्वच्छ सार्वजनिक स्थलों को चिन्हित कर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। प्लास्टिक अपशिष्ट के निस्तारण एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक विकास खण्ड में एक तालाब को प्लास्टिक मुक्त बनाकर उसके सुंदरीकरण का कार्य भी कराया जा रहा है।

अभियान के क्रम में सोमवार को जिला पंचायत राज अधिकारी के निर्देशन में विकास खण्ड सिकरारा की ग्राम पंचायत फूलपुर के धनियामऊ, कटका, नवाबाद एवं मुसहर बस्ती, विकास खण्ड बदलापुर की ग्राम पंचायत मछलीगांव, विकास खण्ड जलालपुर की ग्राम पंचायत रेहटी तथा विकास खण्ड मछलीशहर की ग्राम पंचायत कुंवरपुर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान नालियों की सफाई, कूड़ा उठान, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता तथा प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं निस्तारण का कार्य किया गया। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने, नियमित साफ-सफाई करने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जनभागीदारी से ही स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर जनपद को साफ-सुथरा और प्लास्टिक मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा ।

कैंसर की शुरूआती पहचान ही है जिंदगी का दूसरा मौका

मुंबई। हर साल 'राष्ट्रीय कैंसर सर्वाइवर दिवस' के अवसर पर, दुनिया भर में ध्यान कैंसर की बीमारी से हटकर उन बहादुर लोगों पर केंद्रित होता है जिन्होंने इसका डटकर सामना किया और एक विजेता (सर्वाइवर) के रूप में उभरे। इस विशेष दिन पर, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की अग्रणी संस्था यूई लाइफसाइंसेज ने भारत में कैंसर के बढ़ते मामलों के बीच 'शुरूआती पहचान' और जागरूकता को लेकर एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया है।

आमतौर पर जब कैंसर पर बात होती है, तो चर्चा केवल बीमारी की पहचान, इलाज और जीवित रहने की दर (सरवाइवल रेट) के इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन इलाज के बाद जीवन को फिर से संवारने, खोए हुए आत्मविश्वास को वापस पाने और एक नई सामान्य जिंदगी को अपनाने का जो सफर होता है, उस पर चर्चा बेहद जरूरी है। आज पूरे भारत में हजारों कैंसर सर्वाइवर्स इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि कैंसर जिंदगी का अंत नहीं है। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी मीरा (परिवर्तित नाम) की है, जिनकी जिंदगी उनके इलाके में आयोजित एक सामुदायिक जांच (स्क्रीनिंग) शिविर की वजह से बच सकी। मीरा ने अपने शरीर में एक बिना दर्द वाली गांठ महसूस की थी, जिसे उन्होंने सामान्य समझा था। लेकिन समय पर हुई स्क्रीनिंग और शुरूआती पहचान ने उन्हें कैंसर से जंग जीतने और जिंदगी का दूसरा मौका पाने में मदद की। भारत में स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और मुँह का कैंसर आज भी एक बड़ी चुनौती है, जहाँ सही समय पर जांच ही सबसे बड़ा हथियार है।

कैंसर के इलाज और सर्वाइवरशिप में शुरूआती पहचान के इसी महत्व को रेखांकित करते हुए, यूई लाइफसाइंसेज के सह-संस्थापक और सीओओ भौमिक सांघवी ने कहा, ₹हर कैंसर सर्वाइवर उस जिंदगी का प्रतीक है, जिसे एक नया मौका मिला। हालांकि इलाज के क्षेत्र में हुई प्रगतियों ने कैंसर केयर को पूरी तरह बदल दिया है, लेकिन हमें यह याद रखना होगा कि सबसे बड़ा अवसर बीमारी को गंभीर रूप से बढ़ने से पहले ही पकड़ने में है। कैंसर को मात देना केवल एक मेडिकल परिणाम नहीं है—यह समाज में जागरूकता, समय पर उठाए गए कदम, स्क्रीनिंग की उपलब्धता और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, तीमारदारों (केयरगिवर्स) व समुदायों के सामूहिक प्रयासों का प्रतिबिंब है। हम शुरूआती पहचान में जितना अधिक निवेश और प्रयास करेंगे, उतनी ही अधिक सर्वाइवर स्टोरीज बनाने में मदद मिलेगी। आज चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति के कारण पहले की तुलना में कहीं अधिक मरीज कैंसर के बाद लंबा और स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि सर्वाइवर्स की ऐसी और अधिक कहानियाँ लिखने के लिए देश के हर कोने तक जागरूकता, समय पर कार्रवाई और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच होना आवश्यक है। राष्ट्रीय कैंसर सर्वाइवर दिवस के मौके पर यूई लाइफसाइंसेज सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं से अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और नियमित रूप से प्रिवेंटिव हेल्थ चेक-अप कराने की अपील करता है। क्योंकि एक भी व्यक्ति की सर्वाइवल स्टोरी में किसी दूसरे व्यक्ति को समय पर कदम उठाने और उम्मीद की राह चुनने के लिए प्रेरित करने की ताकत होती है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने मनाया 'Pride@Godrej 2026'

मुंबई। समावेशी भविष्य बनाने की अपनी लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, गोदरेज इंडस्ट्रीज ने गोदरेज वन में Pride@Godrej 2026 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों, सामुदायिक नेताओं, लेखकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सहयोगियों ने हिस्सा लिया। पूरे दिन भारत में LGBTQIA+ समुदाय के समावेशन से जुड़े विषयों पर चर्चा, उत्सव और सामूहिक विचार-विमर्श हुआ। यह आयोजन संगठन के विश्वास, निष्पक्षता और सम्मान जैसे मूल्यों को दर्शाता है। उत्सव की शुरूआत वार्षिक 'प्राइड मार्च' के साथ हुई, जिसका नेतृत्व इस साल के प्राइड मार्शल और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (GCPL) के सीईओ सुधीर सीतापति ने गोदरेज वन में किया।

जौनपुरः भाई की मौत खबर सुनकर वृद्ध ने भी दम तोड़ा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना क्षेत्र के परासिन गांव में अपने बीमार चचेरे बड़े भाई का हालचाल लेकर लौट रहे एक वृद्ध की गड्ढे में गिरने से मौत हो गई है। इस घटना की जानकारी जब मृतक के भाई को मिली तो गहरा सदमा लगने से कुछ घंटो के बाद उनकी भी मौत हो गई। उक्त गांव निवासी 70 वर्षीय राम नारायण प्रजापति रविवार को अपने 85 वर्षीय बड़े चचेरे भाई राम दवर के बीमार होने की जानकारी मिलने पर उनके घर हालचाल लेने गए हुए थें। देर शाम नारायण अपने भाई से मिलने के बाद वापस अपने घर लौट रहें थें। जब वह अपने गांव पहुंचें तो वहां मौजूद स्थित एक गहरे गड्ढे के पास उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सिर के बल उसमें गिर पड़े। बताया गया कि गड्ढे में दलदल भरा हुआ था, जिससे वह बाहर नहीं निकल सके और उनकी घुटन से मौत हो गई।देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचें तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। काफी खोजबीन के बाद राम नारायण का शव गड्ढे में मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने वृद्ध की लाश को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देर रात जब राम नारायण की मौत की जानकारी उनके बीमार चचेरे भाई को मिली तो वह गहरे सदमे में आ गए। परिजनों के मुताबिक, खबर सुनते ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें हृदयाघात जैसा दौरा पड़ा। परिवार के लोग उपचार की व्यवस्था कर पाते, उससे पहले ही उन्होंने भी दम तोड़ दिया। एक ही परिवार में कुछ घंटों के भीतर दो मौतों से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

एचपीसीएल ने करोड़ों भारतीय परिवारों तक निर्बाध एलपीजी सेवा पहुंचाई वैश्विक आपूर्ति व्यवधानों के बीच

मुंबई। होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों के कारण वैश्विक एलपीजी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर गंभीर दबाव के बावजूद, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने करोड़ों भारतीय परिवारों को निर्बाध एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित की, जिसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों पर विशेष ध्यान दिया गया। 1 मई से 7 जून 2026 की अवधि के दौरान, एचपीसीएल ने देशभर में 9.13 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान की और अपने 6,229 सक्रिय वितरकों तथा 52,814 डिलीवरी कर्मियों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से 432.82 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की। वैश्विक आपूर्ति संबंधी दबावों के बावजूद कंपनी ने रसोई गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की। इस अवधि में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक सब्सिडीयुक्त रसोई गैस की उपलब्धता बनाए रखना एचपीसीएल की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहा। कंपनी ने 2.80 करोड़ पीएमयूवाई ग्राहकों को सेवा प्रदान की तथा 101.07 लाख उज्ज्वला रिफिल सिलेंडरों की डिलीवरी की, जिससे देशभर के परिवारों के लिए आवश्यक घरेलू ऊर्जा की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित हुई। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल की गई जब भारत के लगभग 54 प्रतिशत एलपीजी आयात होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरते हैं, जिसके कारण वैश्विक एलपीजी आपूर्ति श्रृंखलाओं और लॉजिस्टिक्स पर व्यापक प्रभाव पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद एचपीसीएल ने सोर्सिंग, बॉटलिंग संयंत्रों, वितरण केंद्रों और अंतिम छोर तक डिलीवरी संचालन के बीच समन्वय को और मजबूत किया, ताकि देशभर में निर्बाध आपूर्ति बनी रहे। नियमित डिलीवरी के अतिरिक्त, एचपीसीएल ने समुदायों में 1,622 फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) शिविर आयोजित किए, जिससे स्वच्छ ईंधन तक पहुंच को मजबूत करने और विशेष रूप से छोटे परिवारों तथा पहली बार उपयोगकताओं के लिए 5 किलोग्राम सिलेंडरों की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा सके। इस अवधि के दौरान कंपनी ने 8.62 लाख 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर तथा 37.77 लाख वाणिज्यिक सिलेंडरों की आपूर्ति की, जिससे परिवारों, रेस्तरां, होटलों और छोटे व्यवसायों को निरंतर समर्थन मिला। परिचालन अनुशासन को मजबूत करने और सब्सिडीयुक्त एलपीजी के दुरुपयोग को रोकने के लिए एचपीसीएल ने अपने नेटवर्क में 2,283 निरीक्षण किए। कंपनी ने यह सुनिश्चित करने के लिए ओटीपी-आधारित डिलीवरी सत्यापन और निगरानी तंत्र को भी और मजबूत किया कि एलपीजी आपूर्ति पारदर्शी और प्रभावी ढंग से वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे।

इस अवधि के दौरान आपूर्ति की निरंतरता घरेलू उत्पादन, बॉटलिंग परिचालन, परिवहन, वितरक नेटवर्क और अंतिम छोर तक डिलीवरी प्रणालियों सहित संपूर्ण एलपीजी मूल्य श्रृंखला में निरंतर समन्वय के कारण संभव हो सकी। एचपीसीएल ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ मिलकर घरेलू और आवश्यक एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी तथा पूरे भारत में निर्बाध सेवा सुनिश्चित की।

राष्ट्रीय कैंसर सर्वाइवर दिवसः हादी अंसारी की कहानी बनी साहस और आशा का उदाहरण

मुंबई। राष्ट्रीय कैंसर सर्वाइवर दिवस उन लोगों के साहस, संघर्ष और जिजीविषा को सम्मान देने का अवसर है जिन्होंने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का डटकर सामना किया है। डॉ. प्रीति मेहता, वरिष्ठ सलाहकार पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, हीमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट, नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई ने 17 वर्षीय हादी अंसारी की प्रेरक कहानी साझा की। 14 वर्ष की आयु में हादी को बार-बार नाक से खून आने और खून की उल्टियों की शिकायत हुई। जांच में उसे एक्यूट मायलॉयड ल्यूकेमिया नामक रक्त कैंसर का पता चला। कीमोथेरेपी के बाद जब परिवार को राहत की उम्मीद थी, तब तीन महीने बाद कैंसर दोबारा लौट आया। इसके बाद हादी को पुनः उपचार और बोन मैरो ट्रांसप्लांट से गुजरना पड़ा। कठिन चुनौतियों के बावजूद उसने हार नहीं मानी। आज हादी स्वस्थ जीवन जी रहा है और हाल ही में 10वीं की परीक्षा 62 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण कर चुका है। डॉ. मेहता के अनुसार, उसकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि समय पर निदान, सही उपचार, परिवार का सहयोग और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ कैंसर को हराया जा सकता है। उन्होंने मरीजों और परिवारों से उम्मीद बनाए रखने तथा उपचार पर भरोसा रखने का संदेश दिया।